सुपौल दस्तक मासिक अखबार

RNI NO. BHHIN/25/A5267

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेलः rajeshkumarranjan4056@gmail.com

अनमोल वचन

सच्ची अमीरी नोटों की गड्डियों में नहीं, बल्कि एक स्वस्थ शरीर, शांत मन और कुछ सच्चे रिश्तों में है।



वर्षः- 1 अंकः- 11 सुपौल, माह नवम्बर, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठः 8 मूल्यः 5/- रू.

एक नजर

असम के काजीरंगा में ट्रक और ट्रैवलर की टक्कर, 26 लोगों की मौत; 20 घायल

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास शुक्रवार को एक ट्रैवलर और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं और नाबालिग भी शामिल हैं। हादसे में जान गंवाने वाले कई लोग कालेज के छात्र थे, जो कक्षाएं समाप्त होने के बाद घर लौट रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, बस में करीब 45 यात्री सवार थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रैवलर ऊपरी असम के जोरहाट से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। यह हादसा नेशनल हाईवे 715 पर कोहोरा रेंज में हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन में हुआ। तकों में महिलाएं और नाबालिग भी शामिल-मृत लोगों की पहचान की जा रही है और संख्या बढ़ने की आशंका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, 'आज काजीरंगा में हुई दुखद दुर्घटना से मुझे गहरा आघात लगा है। इस नुकसान ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है, और जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कोई भी शब्द उनके दर्द को कम नहीं कर सकता, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा असम उनके साथ खड़ा है।

इंस्टाग्राम पर बोले राहुल गांधी, पीएम मोदी करा रहे मेरा फोन टैप, बहस में करूंगा साबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को यह आरोप लगाकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके फोन की टैपिंग करवा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने एक बार फिर खुली बहस की अपनी चुनौती दोहराई। हालांकि, कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। राहुल ने यह बात लोकप्रिय फोटो-शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम पर एक सवाल-जवाब सत्र के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कही। राहुल ने उस सवाल के जवाब में कहा, जिसमें उनसे यह सबूत मांगा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी विदेशी ताकतों के 'नियंत्रण' में हैं, सबूत यहीं है, इसी फोन में है। प्रधानमंत्री को यह पता है क्योंकि वह मेरा फोन टैप करते हैं। जिस पल वह आमने-सामने की बहस के लिए आएंगे, सबको पता चल जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रहा है, कौन देश-विरोधी है, वह कब से देश-विरोधी हैं और ऐसी कई अन्य बातें जो मुझे पता हैं और मेरे फोन में मौजूद हैं।

भारतीय रेलवे के आरएसी नियम में बदलाव: ट्रेनों में खत्म होगा आरएसी टिकट! एक बर्थ पर दो यात्री नहीं बैठेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे 'रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन' (आरएसी) सुविधा को खत्म करने की संभावना पर विचार कर रहा है। यह दशकों पुरानी एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें दो यात्रियों को पूरा किराया देने के बावजूद एक ही बर्थ साझा करनी पड़ती है। इस कदम पर विचार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

साथ ही, यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि क्या यह व्यवस्था उन यात्रियों के लिए उचित है, जिन्हें पूरा किराया देने के बावजूद सोने के लिए पूरी बर्थ नहीं मिलती है। एक अधिकारी ने ळडकको बताया, कुछ लोगों का मानना है कि जब यात्री को सोने के लिए पूरी जगह नहीं मिल रही है, तो उससे पूरा किराया वसूलना शायद सही नहीं है।

कर्नाटक को 15,600 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने शुरू की पिंक लाइन मेट्रो और वंदे भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया, बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और 15,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने तवारेकेरे और आईआईएम बैंगलोर मेट्रो स्टेशन के बीच हाल ही में खुले 7.5 किलोमीटर लंबे हिस्से में सफर किया। उनके साथ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, राज्यपाल सुधा यादव, बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री केबी गौड़ा भी मौजूद थे। मेट्रो में चढ़ने से पहले, प्रधानमंत्री ने काउंटर पर वढकका इस्तेमाल करके टिकट खरीदा। सेवाओं को हरी झंडी दिखाते समय, प्रधानमंत्री ने शिवकुमार का हाथ थाम लिया और दोनों नेताओं ने मिलकर झंडा लहराकर 'पिंक लाइन' सेवाओं की शुरूआत की। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते और



हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत करते भी दिखे। कलेना अग्रहारा को तवारेकेरे से जोड़ने वाली 'पिंक लाइन' को लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसके उद्घाटन से बेंगलुरु के विस्तार करते मेट्रो नेटवर्क में एक और कॉरिडोर जुड़ गया है। रेलवे क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इससे बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच कनेक्टिविटी और तेज होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत चार पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों - चामराजनगर, चिकमगलूर, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड - का उद्घाटन किया।

इसके अलावा, उन्होंने 284 किलोमीटर लंबी गदग-होस्पेट दोहरीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में 45 किलोमीटर लंबी बागलकोट-वंडल रेलवे लाइन के दोहरीकरण खंड, और 55 किलोमीटर लंबे सकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड घाट रेलवे खंड के विद्युतीकरण कार्य को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री की कर्नाटक यात्रा के दौरान 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ भी किया गया।

लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में रैंकिंग निर्धारित

माह अक्टुबर-2026 में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा सुपौल जिला

सुपौल दस्तक संवाददाता, सुपौल

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में सुपौल जिला माह अक्टुबर-2026 राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अपर समाहर्त्ता (लोक शिकायत निवारण)-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सुपौल ने बताया कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में उपलब्धियों के आधार पर जिलों की रैंकिंग निर्धारित मापदंडों एवं कार्य निष्पादन के आंकड़ों के आधार पर किया गया है, जिसमें सुपौल जिला ने 89.39 अंक प्राप्त कर राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।



उन्होंने बताया कि सुपौल जिला में नियत समय-सीमा के अंदर 99.23 प्रतिशत निष्पादित परिवादों को लेकर 9.92 अंक प्राप्त हुए, वहीं समीक्षीत माह में निर्धारित समय में 99.78 प्रतिशत मामलों का निवारण करने को लेकर 29.94 अंक प्राप्त हुए, जबकि लोक प्राधिकार की उपस्थिति मामले में सुपौल ने 99.87 अंक प्राप्त किया। बताया कि जिले में नियत समय में निष्पादित प्रथम अपील में 98.94 अंक प्राप्त हुए, वहीं द्वितीय अपील के नियत समय में निष्पादित को लेकर सुपौल ने 96.31 अंक प्राप्त किया। वहीं उक्त माह में शस्ति अधिरोपण व अनुशासनिक कार्यवाही में 10 तथा जिला स्तर पर बैठक की कार्यवाही अपलोड करने में 05 अंक प्राप्त हुए, जिसे लेकर सुपौल जिला को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

22 नवंबर से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान, डीएम ने शत-प्रतिशत बच्चों को खुराक पिलाने का दिया निर्देश



सुपौल दस्तक संवाददाता, सुपौल

गुरुवार को श्री सावन कुमार, जिलाधिकारी, सुपौल की अध्यक्षता में दिनांक 22.11.2026 से प्रारंभ होने वाले अनुराष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सिविल सर्जन, सुपौल, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, डीपीएम, डीएमएंडईओ, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, जिला स्वास्थ्य समिति के प्रतिनिधि सहित सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक अनिवार्य रूप से पिलाई जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कोई भी बच्चा छूटने नहीं पाए। इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी पूरी तत्परता से कार्य करें।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निदेश दिया कि तटबंध के भीतर स्थित सभी क्षेत्रों में भी पोलियो टीकाकरण दल की पहुंच सुनिश्चित की जाए तथा वहां रहने वाले प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाई जाए। अभियान की नियमित निगरानी करने एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का भी निदेश दिया गया।

30, 331 लाभुकों को जारी हुआ नया राशन कार्ड, डीएम ने लाभुकों के बीच किया वितरण



सुपौल दस्तक संवाददाता, सुपौल

गुरुवार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार के तत्वावधान में माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री सम्राट चौधरी के द्वारा पटना के ज्ञान भवन में पात्र लाभुको के मध्य नये राशन कार्ड एवं नवनियुक्त जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को अनुज्ञप्ति का वितरण किया गया '

इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्री सावन कुमार, जिला पदाधिकारी, सुपौल के साथ श्री राजीव कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सुपौल एवं नव निर्गत राशन कार्ड प्राप्त लाभुकों एवं नव चयनित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं ने भाग लिया '

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा सुपौल जिला के दर्जनों पात्र लाभुको के मध्य नये राशन कार्ड एवं नवनियुक्त जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को अनुज्ञप्ति का वितरण किया गया।

जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा बताया गया कि जिले में नए राशन कार्ड बनाने के विशेष अभियान के तहत अब तक लगभग 30331 राशन कार्ड धारी को नया राशन कार्ड निर्गत किया गया है। जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नया राशन कार्ड प्राप्त करने वाले पात्र परिवारों से ससमय खाद्यान्न का उठाव करने का अनुरोध किया गया और नव चयनित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं से पारदर्शिता के साथ खाद्यान्न के वितरण का निदेश दिया गया।

बिहार सरकार के पदाधिकारी और कर्मी भी ले सकेंगे सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग, 20 नवंबर तक भेजें आवेदन

बिहार सरकार के सभी विभागों के पदाधिकारी /कर्मी ले सकते हैं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग

सुपौल दस्तक संवाददाता, सुपौल

बिहार सेक्रेटेरिएट स्पोर्ट्स फाऊंडेशन, पटना के तत्वावधान में संगीत, नृत्य तथा लघु नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बिहार सरकार के सभी विभागों के पदाधिकारी/कर्मी अखिल भारतीय स्तर/राज्य स्तर तथा स्थानीय स्तर पर होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों/प्रतियोगिताओं में शामिल होंगे। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं/ आयोजनों में सरकार के पदाधिकारीयों /कर्मियों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सचिवालय के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त क्षेत्रीय कार्यालयों (जिला, अनुमंडल, प्रखंड, पंचायत), अन्य सभी सरकारी उपक्रमों, विद्यालयों आदि में कार्यरत पदाधिकारियों /कर्मियों / शिक्षकों को शामिल किया जाना है। इस संबंध में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, सुपौल ने कहा कि सांस्कृतिक अभिरुचि एवं दक्षता रखने वाले सभी विभागों के जिला/अनुमंडल/ प्रखंड/पंचायत के सभी पदाधिकारीगण एवं कर्मी ऐसे



प्रतियोगिताओं और आयोजनों में अवश्य भाग लें, इससे उनके कार्यशैली और जीवन शैली में समरसता बनी रहेगी। उक्त हेतु ऐसे पदाधिकारियों /कर्मियों जिनमें पर्याप्त सांस्कृतिक अभिरुचि एवं दक्षता हो का एक डेटाबेस तैयार किया जाना है। अतः अनुरोध है कि सुपौल जिला अंतर्गत जिला, अनुमंडल, प्रखंड, एवं पंचायत के सभी पदाधिकारीगण, कार्यालय प्रधान, कर्मी तथा अन्य सरकारी उपक्रमों एवं स्कूलों में कार्यरत ऐसे सरकारी सेवक/ शिक्षक जो नाटक नृत्य एवं संगीत में अभिरुचि एवं जानकारी रखते हैं तथा बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने को इच्छुक हो अपना संक्षिप्त विवरण (नाम, विधा, पदनाम, कार्यालय का नाम एवं पता, स्थाई पता, WhatsApp नंबर, contact नंबर आदि) जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुपौल को WhatsApp नंबर 8092281780 पर 20 नवंबर 2026 तक भेज सकते है। **तारकेश्वर पटेल, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, सुपौल**

छठ घाटों की तैयारी का डीएम और एसपी ने लिया जायजा, छठ पर्व से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का निर्देश





सुपौल दस्तक संवादाता, सुपौल

गुरुवार को श्री सावन कुमार जिलाधिकारी, सुपौल एवं श्री शरथ आर0एस0, पुलिस अधीक्षक, सुपौल द्वारा सुपौल नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छठ घाटों पर साफ-सफाई, घाटों की मरम्मत, पहुंच पथ, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व से पूर्व सभी घाटों पर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। घाटों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा छठ पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने का निर्देश दिया।

नीतीश सेतु के नाम से जाना जायेगा कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर सिक्सलेन पुल

संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को बिहार के दौरे पर रहेंगे। उनके दौरे को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री 'नीतीश सेतु' को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। इस अवसर पर वे कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल, जिसका नामकरण राज्य सरकार द्वारा 'नीतीश सेतु' किया गया है, राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी एवं विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे।" प्रधानमंत्री मोदी के 21 नवंबर को प्रस्तावित बिहार दौरे को लेकर पूरे राज्य में तैयारियां तेज हो गई हैं। सत्ताधारी एनडीए गठबंधन इस कार्यक्रम को एक बड़े राजनीतिक और विकास-केंद्रित आयोजन के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। वैशाली औद्योगिक कॉरिडोर से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए प्रशासनिक तैयारियां भी चल रही हैं। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में एनडीए सरकार के कार्यकाल का 20 नवंबर को एक साल पूरा होने जा रहा है। गठबंधन की योजना है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान पिछले एक साल की अपनी उपलब्धियों को सामने रखा जाए और विकास के एजेंडे को पेश किया जाए।

26 नवंबर को लेकर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का साझा प्लान, जमीनी आंदोलनों की बनी रणनीति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों और पर्यवेक्षकों के साथ एक वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में पार्टी की भविष्य की रणनीति, जमीनी स्तर के आंदोलनों और आगामी विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा की गई। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने मीडिया को बताया कि बैठक का मुख्य फोकस पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने और भविष्य की रणनीति तैयार करने पर था। जब अठकने उनसे 26 नवंबर (संविधान दिवस) के लिए कांग्रेस की तैयारियों के बारे में पूछा, तो वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन एक रणनीति पर काम कर रहे हैं और सही समय आने पर वे इस बारे में मीडिया को जानकारी देंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से नवाजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर, ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और विदित गुजराती सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया था। लगभग 36 मिनट तक चले इस समारोह में युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के पुनर्मूल्यांकन के बाद 17 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं का चयन किया गया था। इससे पहले 2014 में किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया था। विश्व कप विजेता शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, तेजस्विन और महिला युगल बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली उन 17 खिलाड़ियों में शामिल थीं, जिन्हें अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। गुजराती, देशमुख, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल और युवा बधिर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों में शामिल थे। बीस वर्षीय देशमुख विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। गुजराती 2024 शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। तेजस्विन ने 2023 के एशियाई खेलों में



डेकाथलॉन में ऐतिहासिक रजत पदक जीता था और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। घुटने की समस्या से जूझने के बावजूद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने आइची-नागोया में एशियाई खेलों में भी कांस्य पदक जीता था। वह उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पुरस्कारों की घोषणा में देरी की आलोचना करते हुए इसे खिलाड़ियों का अनादर बताया था। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिनमें से 17 पैरा खेलों से थे। इस बार पैरा खेलों से केवल दो नाम ही अंतिम सूची में शामिल थे। पैरा विश्व चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाली पैरा क्लब थ्रोअर एकता भ्यान और पैरा विश्व कप 2024 के स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल पुरस्कार पाने वालों में शामिल थे। कोई भी क्रिकेटर पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शामिल नहीं था। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को 2023 में यह पुरस्कार मिलने के बाद किसी भी क्रिकेटर को इसके लिए नहीं चुना गया। एशियाई खेल 1962 में स्वर्ण पदक जीतने वाली फुटबॉल टीम के सदस्य रहे आई अरुमैनायगम को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' (जीवनपर्यंत उपलब्धि) के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंत्रालय ने तीन कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना था। इनमें एमसी मैरीकॉम के सहायक स्टाफ में शामिल रहे मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव प्रमुख हैं। कोचिंग के क्षेत्र में 'लाइफटाइम अचीवमेंट' सम्मान के लिए इस वर्ष पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी टीम के कोच धर्मेंद्र यादव और कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को चुना गया है।

अर्जुन पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलती है। यह पुरस्कार परंपरागत रूप से हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में प्रदान किए जाते हैं, जो भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती भी है।

संक्षिप्त खबरें

ज्योति विवेकानंद संस्थान द्वारा 51 छठव्रतियों के बीच साडी सूप फल व नकद राशि वितरण

संवाददाता

सहरसा: छठ पर्व के पावन अवसर पर ज्योति विवेकानंद संस्थान के प्रबंध निर्देशक ज्योति मिश्रा द्वारा छठ व्रतियों के बीच साड़ी, फल, पूजन सामग्री एवं नगद राशि वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि 51 जरूरतमंद छठ व्रतियों के बीच साड़ी फल सूप नारियल एवं 500 नगद दिया गया ।उन्होंने बताया कि इस 51 महिलाओं में 11 एचआईवी पीड़ित परिवार के बीच मुकेश कुमार मुन्नू द्वारा साड़ी प्रदान किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों ने छठ पूजा सामग्री पाकर संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि महंगाई के जमाने में पर्व त्यौहार के अवसर पर गरीब लोगों के बीच साड़ी एवं फल का वितरण किया जाना सामाजिक समरसता का परिचायक है। लाभार्थियों ने संस्थान की निदेशक ज्योति मिश्रा के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

श्रीमति मिश्र ने बताया कि ज्योति विवेकानंद संस्थान द्वारा एचआईवी पीड़ित परिवारों के बीच नियमित रूप से सहायता कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।साथ ही साथ सेक्स वर्कर के बीच एचआईवी जांच शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। साथ पीड़ित को चिन्हित कर उन्हे सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक ज्योति मिश्रा, सदस्य दीक्षा मिश्रा, तरुण कुमार मिश्रा एवं रंजन कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

नहाय खाय के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा शुरू

संवाददाता

भगवानपुर बेगूसराय। लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ प्रखंड क्षेत्र में शुरू हो गया। चार दिवसीय इस महापर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल छा गया है। दीपावली समाप्त होते ही छठव्रती महिलाएं गंगा स्नान और चूल्हा निर्माण में जुट गई थीं। शुक्रवार को सुबह से ही व्रती महिलाओं ने स्नान आदि कर गेहूं सुखाने वाली जगह को साफ-सुथरा कर पानी से धोकर पवित्र किया। इसके बाद गेहूं सुखाने वाले कपड़े को खींचकर पवित्र किया गया और उस पर गेहूं धोकर ओखल में छटाई कर सुखाया गया ।इस दौरान गेहूं की रखवाली का नजारा देखते ही बन रहा था। गेहूं के पास कोई न कोई व्यक्ति छड़ी हिलाते रहा, ताकि उस पर कोई पशु-पक्षी स्पर्श न कर सके। यहां तक कि गेहूं के ऊपर से कोई पक्षी भी न गुजरे, इसके लिए लोग पूरी तरह चौकन्ना रहे। गेहूं सुखाते समय व्रती महिलाएं पारंपरिक छठ गीत गाती रहीं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आज से व्रती महिलाएं पूरी तरह नियम-निष्ठा के पालन में जुट गई हैं। नहाय-खाय के दिन व्रतियों ने कद्दू मिश्रित चना दाल में सेंधा नमक मिलाकर दाल, अरवा चावल का भात और कद्दू की सब्जी खाई।

नहाय-खाय को लेकर बाजारों में कद्दू की जबरदस्त मांग रही। प्रखंड क्षेत्र के अतरुआ, बनवारीपुर, हरिचक, संजात, सूर्यपुरा, भगवानपुर सहित सभी बाजारों में कद्दू के ढेर लगे रहे और बाजारों में खूब रौनक देखने को मिली। कद्दू 70 रुपये से लेकर 120 रुपये तक बिका। महंगा होने के बावजूद दोपहर बाद बाजारों में कद्दू की किल्लत हो गई और कई व्रतियों को कद्दू नहीं मिल सका। अब शनिवार को व्रती खरना करेंगे और रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को तथा सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा।

चाय की चुस्की के साथ आत्मनिर्भरता की मिठास, जीविका दीदियों को भा रही 'महानंदा लीफ'

संवाददाता

सहरसा: ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और उनके लिए आजीविका के नए अवसर सृजित करने की दिशा में जीविका की पहल लगातार सकारात्मक परिणाम दे रही है । इसी कड़ी में किशनगंज जिले में जीविका के अंतर्गत संचालित महानंदा जीविका महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित 'महानंदा लीफ' चाय अब सहरसा जिले में भी अपनी पहचान बना रही है ।महानंदा जीविका महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से चायपत्ती का उत्पादन एवं विपणन किया जा रहा है । यह कंपनी जीविका दीदियों के स्वामित्व वाली उत्पादक कंपनी है, जिसके माध्यम से महिलाओं को उत्पादन, व्यवसाय एवं बाजार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है । कंपनी द्वारा उत्पादित गुणवत्तापूर्ण 'महानंदा लीफ' चाय को जीविका के विभिन्न सामुदायिक संस्थानों एवं संकुल स्तरीय संघों के माध्यम से व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में भी इस पहल को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है । जिले में अब तक कुल 68.60 क्विंटल 'महानंदा लीफ' चायपत्ती पहुंच चुकी है । इसकी गुणवत्ता और स्वाद के कारण जीविका दीदियों के बीच इसकी अच्छी मांग देखी जा रही है । कई स्थानों पर दीदियों ने चायपत्ती पहुंचते ही खरीदारी की, जिससे उत्पाद को हाथोंहाथ स्वीकार्यता मिली है ।सौरबाजार प्रखंड के अन्दोली, नादो की जीविका दीदी रोशन देवी बताती हैं कि उन्होंने 'महानंदा लीफ' चाय का उपयोग किया है । यह चाय स्वादिष्ट बनती है और उन्हें इसका स्वाद काफी पसंद आया है ।इस पहल से न केवल उत्पादक कंपनी को बाजार विस्तार का अवसर मिल रहा है, बल्कि जीविका के संकुल स्तरीय संघों एवं अन्य सामुदायिक संगठनों की आय में वृद्धि की संभावनाएं भी मजबूत हो रही हैं । साथ ही, स्थानीय स्तर पर महिलाओं को व्यवसाय से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है ।'महानंदा लीफ' चाय जीविका दीदियों के सामूहिक प्रयास, उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल बन रही है ।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर विधायक ने की समीक्षा बैठक अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

औरंगाबाद: छठ महापर्व के मद्देनजर औरंगाबाद सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने आज प्रातः अपने आवास नारायण निवास पर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर छठ घाटों एवं शहर में की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता पंकज कुमार, नगर परिषद के नगर कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार, बुडको के सहायक अभियंता धर्मबीर किशोर, सफाई सुपरवाइजर राजेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। विधायक श्री सिंह ने अधिकारियों को विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, छठ घाटों की स्वच्छता, जलापूर्ति, सफाई, सीवेज तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व से पूर्व सभी तैयारियां हर हाल में पूरी होनी चाहिए। कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करें। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और लोक परंपरा का महापर्व है। छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

छठ महापर्व को लेकर बिजली विभाग पूरी तरह अलर्ट, विद्युत अधीक्षण अभियंता ने सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा के छठ घाटों का किया निरीक्षण

संवाददाता



सहरसा: आगामी छठ महापर्व के पावन अवसर पर सहरसा, सुपौल, मधेपुरा जिले वासियों को बिना किसी बाधा के सतत एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जिलों के विद्युत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।वही पूजा के दौरान किसी भी आपात स्थिति या तकनीकी खराबी से निपटने के लिए 24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम और क्विक रिस्पांस टीम (QRT) का गठन किया गया है। जो शिकायत मिलते ही तुरंत स्थल पर पहुंचकर समस्या का समाधान करेगी। 24x7 घंटे सक्रिय रहेंगे कंट्रोल रूम में। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने को लेकर बिजली विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में विद्युत अधीक्षण अभियंता संतोष कुमार ने सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा जिले के विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर विद्युत व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों पर विद्युत सुरक्षा, बिजली आपूर्ति की उपलब्धता तथा संभावित जोखिम वाले स्थानों की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान विद्युत अधीक्षण अभियंता ने तीनों जिलों के संबंधित विद्युत कार्यपालक अभियंताओं, सहायक विद्युत अभियंताओं, कनीय विद्युत अभियंताओं एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि छठ महापर्व के दौरान विद्युत व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी घाटों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में बिजली के तारों, पोल, ट्रांसफार्मर तथा अन्य विद्युत उपकरणों की समुचित जांच कर आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं सुधार कार्य समय रहते पूरा किया जाए।उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिया कि जिन घाटों पर श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ उमड़ती है।वहां विद्युत सुरक्षा के मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। खुले एवं जर्जर तारों को दुरुस्त किया जाए तथा पानी के संपर्क में आने वाले विद्युत उपकरणों से किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।लोहे के पोल पर डिइलेकट्रिक पैंट के साथ प्लास्टिक रेपिंग करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पर्व की समाप्ति तक अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं किसी भी आकस्मिक विद्युत समस्या के त्वरित समाधान के लिए विद्युत विभाग द्वारा 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित रखा जाएगा। कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त कर्मी लगातार स्थिति पर नजर रखेंगे तथा किसी भी प्रकार की विद्युत शिकायत या आपातकालीन सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को तत्काल कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। विद्युत अधीक्षण अभियंता संतोष कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास का महान पर्व है।इस दौरान लाखों श्रद्धालु नदी, तालाब एवं विभिन्न जलाशयों के किनारे भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं।ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विभाग का प्रयास है कि पर्व के दौरान विद्युत व्यवस्था सुचारु रहे और किसी भी श्रद्धालु को बिजली से संबंधित परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।उन्होंने सभी विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, नियमित निगरानी रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बिजली विभाग की ओर से श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे विद्युत पोल, तार एवं ट्रांसफार्मर के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं तथा किसी भी विद्युत संबंधी खतरे की सूचना तत्काल विभागीय अधिकारियों या कंट्रोल रूम को दें ।छठ महापर्व के अवसर पर सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा में सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभाग पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ तैयार है। निरीक्षण एवं समीक्षात्मक बैठक में दीपक कुमार ने सभी सहायक एवं कनीय अभियंता को निर्देशित किया कि त्योहारों के साथ-साथ विभागीय राजस्व लक्ष्य को पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए छठ घाटों पर अवस्थित विभागीय कैम्प एवं पब्लिक साउंड सिस्टम के माध्यम से विशेष जागरुकता अभियान चलाते हुए बकाया वसूली अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। उन्होने बताया कि छठ पूजा में श्रद्धालुओं को बेहतर बिजली सेवा देना हमारी प्राथमिकता है ।साथ ही इस शुभ अवसर पर प्रवासी बिहारी भाई बड़ी संख्या त्योहार मनाने घर आते हैं, उनकी समस्याओं के निराकरण के साथ, सहायता एवं उनकों मीटर मान पठन आधारित विद्युत विपत्र उपलब्ध कराने के साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा 3 किलोवाट तक 98, 000 रुपये की प्रदत्त सब्सिडी एवं बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर लोन की सुविधा संबंधी जानकारी एवं जन जागरूकता अभियान* हेतु सभी सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता को निर्देशित किया गया।

गेहूं धोने-सुखाने के साथ गूंजे छठ गीत, खरना आज

प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास करेंगी छठव्रती, रविवार को अस्ताचलगामी और सोमवार को उदयीमान सूर्य को देंगी अर्घ्य

संवाददाता



सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व के पहले दिन छठव्रतियों ने स्नान कर पूरी शुद्धता और पवित्रता के साथ भगवान भास्कर की आराधना की। इसके बाद परंपरा के अनुसार अरवा चावल, कद्दू की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण किया। नहाय-खाय के साथ ही पूरे इलाके में छठ पर्व को लेकर भक्तिमय माहौल बन गया है। छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना का अनुष्ठान होगा। घरों में गेहूं धोने और सुखाने का सिलसिला चलता रहा। महिलाएं पूरी सावधानी और पवित्रता के साथ गेहूं धोकर साफ स्थान पर सुखाती नजर आईं। इसके बाद गेहूं को चक्की में पिसवाकर उससे खरना की रोटी और छठ का मुख्य प्रसाद ठेकुआ तैयार किया जाएगा। छठ पर्व में प्रसाद निर्माण के लिए गेहूं की सफाई और उसे सुखाने की विशेष परंपरा है। इस दौरान स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। शनिवार की शाम छठव्रती भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना करने के बाद खरना का प्रसाद ग्रहण करेंगी। प्रसाद में गुड़ की खीर और गेहूं के आटे से बनी रोटी का विशेष महत्व है। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। इस दौरान व्रती अन्न और जल ग्रहण नहीं करेंगी। इसके बाद रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि सोमवार की सुबह उदयीमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न होगा। "छठ गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल" छठ पर्व को लेकर घरों से लेकर बाजार तक छठ गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। महिलाएं पारंपरिक छठ गीत गाकर भगवान सूर्य और छठी मइया की महिमा का गुणगान कर रही हैं। इन गीतों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। घरों में सुबह से ही छठ गीत बजने और गाए जाने का सिलसिला जारी है। वहीं, पर्व को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए बख्तियारपुर थाना पुलिस भी अलर्ट है। थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार ने बताया कि सभी छठ घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि अर्घ्य के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और विधि-व्यवस्था बनी रहे।

हुनर से अवसर मिलते हैं, अनुशासन व लगन से सफलता: प्रो. असीम मिगलानी

संवाददाता



रेवाड़ी: इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू), मीरपुर में शुक्रवार को तीन दिवसीय 9वें अंतर-क्षेत्रीय (इंटर-जोनल) युवा महोत्सव 'हिंडोला-2026' का दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ भव्य व रंगारंग शुभारंभ हुआ। महोत्सव के पहले दिन रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जोन के 35 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पधाओं में अपनी कला का बेजोड़ प्रदर्शन कर खूब वाहवाही लूटी। तीन दिवसीय युवा महोत्सव का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि युवा महोत्सव युवाओं को न केवल अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा निखारने का मंच प्रदान करता है, बल्कि सामूहिक रूप से जनमानस तक अपनी कला के माध्यम से संवेदनाओं व भावनाओं को पहुंचाने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि "हुनर के बल पर केवल अवसर मिल सकते हैं, लेकिन अनुशासन, लगन व निरंतर प्रयासों से ही जीवन में लक्ष्यों को हासिल करने में सफलता मिलती है।" कुलपति ने युवाओं को पूरे आत्मविश्वास, जोश और रचनात्मकता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय, समाज व देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। मंच से बड़ी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि अहीरवाल क्षेत्र की देश-प्रदेश में अपनी अमिट पहचान है और इसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए अगले वर्ष 'हिंडोला-2027' में अहीरवाल की संस्कृति पर आधारित एक नई प्रतियोगिता शुरू की जाएगी। साथ ही, उन्होंने पिछले दिनों पुरस्कार जीतने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने मुख्य व विशिष्ट अतिथियों का परिचय करवाते हुए कहा कि उद्यमशील युवा समाज व देश की सर्वोत्तम पूंजी हैं। युवा समर्पित भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और अपनी सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान करें, तभी देश व समाज की प्रगति संभव है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. डी.पी. भारद्वाज ने कहा कि युवा महोत्सव का मंच केवल पुरस्कार जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रतिभाओं को तराशकर उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। युवा अपनी कला और भारतीय मूल्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा दिखाने का कार्य करते हैं। वहीं, संस्कार भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि विजय कुमार ने युवाशक्ति व राष्ट्रचेतना के माध्यम से वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' और पुनः 'विश्व गुरु' बनाने का आह्वान किया। उन्होंने नालंदा व तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक जिम्मेदारी के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती, युवा अपनी योजनाओं में देशहित को सर्वोपरि रखें।

निगम पार्षद ने छठ पर्व पर स्वच्छता कर्मियों के बीच किया नये वस्त्र का वितरण



संवाददाता

सहरसा: पूरब बाजार स्थित कॉलेज गेट के पास शुक्रवार को आस्था का महा पर्व छठ पूजा के अवसर पर वार्ड में कार्य करने वाले सभी स्वच्छता कर्मी के बीच नये वस्त्रों का वितरण किया गया।वही स्वच्छता कर्मी भी नया वस्त्र पाकर हर्ष व्यक्त करते हुए निगम पार्षद के प्रति आभार जताया।इस अवसर पर वार्ड 31 के निगम पार्षद आशीष रंजन सिंह एवं वार्ड नं 33 के पार्षद प्रतिनिधि दुगार्कांत झा ने संयुक्त रूप से वितरण किया। निगम पार्षद श्री सिंह नें बताया कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही परोपकार कहलाता है। जिसके अंतर्गत भूखे को अन्न प्यासे को पानी तथा अभावग्रस्त लोगों को वस्त्र प्रदान करना मानवता के लिए पुण्यफलदायक है।उन्होने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का महान पर्व है।हमारा शरीर पंच तत्व से बना है।इस छठ पर्व मे प्रकृति के प्रत्यक्ष देवा सूर्य की पूजा बिना मंत्र के पंच तत्व से पूजन अर्चन किया जाता है। इस पर्व में सारा समाज एक घाट, एक प्रसाद एवं एक ही देवता की आराधना सामाजिक समरसता व सौहार्द का प्रतीक है। वही स्वच्छता कर्मियों में काफी खुशी देखी गई सभी ने दोनों पार्षदों के उज्वल भविष्य व दीघार्यु जीवन हेतु छठ मैया से प्रार्थना किया।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

संवाददाता



सहरसा: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग द्वारा जिले के विभिन्न छठ घाटों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मत्स्यगंधा, सतपोखरा, गांधी पथ, मसोमात घाट एवं सहरसा बस्ती घाट सहित अन्य प्रमुख छठ घाटों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छठ घाटों पर साफ-सफाई, स्वच्छता, जल की स्थिति, घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा मानकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया।जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ महापर्व को ध्यान में रखते हुए सभी घाटों पर साफ सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को दुरुस्त करने के साथ पर्याप्त रोशनी, बैरिकेडिंग, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था समय रहते पूरी कर ली जाए। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दोनों अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां ससमय पूर्ण करने तथा छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बिहार सरकार सह निवर्तमान विधायक डॉ आलोक रंजन, उप विकास आयुक्त गौरव कुमार, अपर समाहर्ता निशांत, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन मुकेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्रेयांश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें। वही जिला प्रशासन सहरसा वासियों से अपील किया है कि, घाटों पर स्नान या अर्घ्य देते समय पूरी सावधानी बरतें, प्रशासन द्वारा पानी में लगाए गए बैरिकेडिंग और खतरे के निशान को बिल्कुल पार न करें, किसी भी परिस्थिति में गहरे पानी में प्रवेश न करें। बच्चों और बुजुर्गों को गहरे पानी से दूर रखें और घाट पर उन पर विशेष निगरानी रखें।आपकी सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपातकालीन स्थिति में तुरंत घाट पर मौजूद अधिकारियों या एसडीआरएफ टीम, स्वयं सेवक को सूचित करें। सुरक्षित रहें और सावधानीपूर्वक छठ महापर्व मनाएं। वही किसी भी अनहोनी की आशंका पर आपदा कंट्रोल रूम, सहरसा का संपर्क नंबर- +91 6478 222753 पर तुरंत सूचित करने की अपील की है।

25 नवंबर को भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक, संभाग संगठक प्रभारी अनंत नारायण मिश्रा होंगे शामिल



संवाददाता

सहरसा: आगामी 25 नवंबर को सहरसा जिला भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से कोशी-सीमांचल के संभाग संगठन प्रभारी अनंत नारायण मिश्रा शामिल होंगे। कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित होगा। प्रथम पाली में सभी मोर्चों के जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों की संयुक्त मोर्चा बैठक होगी। वहीं दूसरी पाली में प्रकोष्ठों एवं मंडल अध्यक्षों के साथ-साथ सहरसा विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्षों एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी।इस महत्वपूर्ण बैठक की सफलता एवं व्यापक तैयारी को लेकर आज सहरसा परिसदन में भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा की अध्यक्षता में सभी मोर्चों के जिलाध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, मोर्चों की सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रम में अधिकाधिक पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह, जिला महामंत्री शिवभूषण सिंह, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष कर्मशाह, सुबोध साह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुगामणि देवी, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अबु बकर, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष नरेश पासवान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी संयुक्त मोर्चा की बैठक को लेकर विभिन्न मोर्चों की अलग-अलग संगठनात्मक बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 18 नवंबर को महिला मोर्चा की बैठक आर्य भवन मंदिर एवं अनुसूचित मोर्चा की बैठक भारतीय नगर में आयोजित होगी। 20 नवंबर को किसान मोर्चा की बैठक सिमरी बख्तियारपुर में, 21 नवंबर को अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक सहरसा बस्ती में तथा 22 नवंबर को ओबीसी मोर्चा की बैठक साहू भवन में होगी। वहीं 23 नवंबर को युवा मोर्चा की बैठक जिला परिषद प्रांगण में आयोजित की जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा ने सभी मोर्चा अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से अपने-अपने संगठन की बैठकों को सफल बनाने तथा 25 नवंबर को आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में पूरी तैयारी और सक्रियता के साथ भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

अग्निशमन पदाधिकारी नें छठ पर्व पर पूरब बाजार स्थित छठ घाट का निरीक्षण

संवाददाता

सहरसा: लोक आस्था के महापर्व पर छठ के मद्देनजर शुक्रवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी सुश्री सीमा भारती के द्वारा जयसवाल पोखर, पूरब बाजार स्थित छठ घाट का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन पदाधिकारी ने छठ पूजा के दौरान काफी सतर्कता बरतने एवं छठव्रतियों को सुविधा व सहुलियत प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान छठ घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आग से बचाव एवं अग्नि सुरक्षा के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना से बचाव हेतु सतर्कता बरतने एवं आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी भगवान पासवान, सहायक अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी धीरज कुमार, अग्निक नीलम कुमारी, अग्निक अनुपम कुमार एवं अग्निक चालक सहित अन्य अग्निशमन कर्मी उपस्थित रहे।



संक्षिप्त खबरें

बेगूसराय के प्रणब का शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय न्यूरिप्स सम्मेलन में चयनित, बढ़ाया बिहार का मान

संवाददाता

शाम्हो (बेगूसराय): बेगूसराय जिले के शाम्हो प्रखंड स्थित अकबरपुर बरारी पंचायत के युवा प्रणब कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। अमेरिका की प्रतिष्ठित पड्र्यू यूनिवर्सिटी में शोध कर रहे प्रणब के सह-लेखन वाले शोधपत्र का चयन दुनिया के प्रमुख एआई सम्मेलनों में शामिल न्यूरिप्स के लिए हुआ है। प्रणब अकबरपुर बरारी पंचायत के मुखिया कन्हैया कुमार टन्नू और पैक्स अध्यक्ष नीतू देवी के इकलौते पुत्र हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा बेगूसराय में हुई। छठी कक्षा में उनका चयन सैनिक स्कूल में हुआ था। इसके बाद कोटा में रहकर उन्होंने 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के साथ आईआईटी-जेईई की तैयारी की।

अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड की चयन प्रक्रिया में भी उन्होंने राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा दिखाई। पड्र्यू यूनिवर्सिटी में प्रणब का शोध रोबोट को अधिक समझदार, सटीक और भरोसेमंद बनाने पर केंद्रित है। उनकी टीम एआई आधारित प्रणालियों में सुधार कर रोबोट की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। प्रणब वाइब रोबोटिक्स के सह-संस्थापक भी हैं। इस स्टार्टअप का चयन अमेरिका के प्रतिष्ठित एक्सेलरेटर वाई कॉम्बिनेटर (उ) में हुआ है। अमेरिकी वर्क परमिट मिलने के बाद वे कंपनी में चीफ डिप्लॉयमेंट ऑफिसर की जिम्मेदारी संभालेंगे।एक ग्रामीण परिवेश से निकलकर वैश्विक तकनीकी मंच पर पहचान बनाने वाले प्रणब की उपलब्धि से शाम्हो और बेगूसराय में खुशी का माहौल है।

+2 अशोक उच्च विद्यालय परैया के आजीवन सदस्य, उपरहुली गांव निवासी 85 वर्षीय समाजसेवी अशोक कुमार सिंह उर्फ अक्षय सिंह का निधन

संवाददाता

परैया गया: प्रखंड क्षेत्र के उपरहुली गांव निवासी 85 वर्षीय समाजसेवी अशोक कुमार सिंह उर्फ अक्षय सिंह का गुरुवार की रात निधन हो गया. वे +2 अशोक उच्च विद्यालय, परैया के आजीवन सदस्य थे. उनके निधन की खबर मिलते ही प्रखंड के शिक्षाविदों व ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गयी. परिजनों के अनुसार, वे बिल्कुल स्वस्थ थे. पुत्र मृत्युंजय दयाल उर्फ कुंवर सिंह ने बताया कि गुरुवार को पिताजी परैया बाजार से सामान खरीदकर घर लौटे थे.

शाम में वे अपने कमरे में आराम कर रहे थे. कुछ देर बाद जब घर के लोग उन्हें खाना खाने के लिए जगाने गये, तो देखा कि वे अचेत अवस्था में हैं और उनकी सांसें थम चुकी हैं. शुक्रवार को स्थानीय मोरहर नदी श्मशान घाट पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया. मुखाग्नि उनके पुत्र ने दी. शवयात्रा व दाह संस्कार में गांव के गणमान्य लोगों सहित विद्यालय परिवार के सदस्यों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की. शोक व्यक्त करने वालों में मँझियावा मुखिया संगीता कुमारी, नागेन्द्र कुमार उर्फ शिवजी, पैक्स अध्यक्ष रजनीकांत, पूर्व पैक्स अध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ पप्पू जी, गनौरी प्रसाद, राजकुमार प्रसाद, संजय प्रसाद, सतेंद्र प्रसाद, व्यवसाई मुकेश भदानी, श्रवण कुमार आदि शामिल थे.

महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा किया गया स्थल निरीक्षण

संवाददाता

दरभंगा। पथनिर्माण मंत्री, जिलाधिकारी, दरभंगा, वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा, नगर आयुक्त दरभंगा, अनुमंडल पदाधिकारी, दरभंगा एवं प्रशिक्षु अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से छठ महापर्व के मद्देनजर लहेरियासराय थाना अंतर्गत के एम टैंक पोखर, कोतवाली थाना अंतर्गत दिग्घी पोखर, बेंता थाना अंतर्गत गंगासागर पोखर एवं विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत हराही पोखर का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया— छठ घाटों की साफ-सफाई एवं समुचित प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करना। घाटों पर बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना। गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर सुरक्षा व्यवस्था करना। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने हेतु पर्याप्त पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करना। यातायात एवं पार्किंग की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करना। आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक संसाधनों एवं बचाव दल की उपलब्धता सुनिश्चित करना। प्रशासन एवं दरभंगा पुलिस छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु प्रतिबद्ध है। आप सभी को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। दरभंगा पुलिस सदैव आपकी सेवा में तत्पर।

Gen-G को पुलिस से जोड़ने की अनूठी पहल, युवाओं को पुलिस से जोड़ने एवं पुलिस पब्लिक संबंध मजबूत बनाने की पहल

संवाददाता

दरभंगा। Gen-G को पुलिस से जोड़ने की अनूठी पहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कमतौल के द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कमतौल थाना अंतर्गत ग्राम पिंडरुच में युवाओं (Gen-G) को पुलिस से जोड़ने एवं पुलिस पब्लिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से डे-नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन कराया।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, आपसी सहयोग एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना तथा पुलिस के प्रति विश्वास और जुड़ाव को मजबूत करना है।

विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधा के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया का निरीक्षण कर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का किया मुआयना

संवाददाता

दरभंगा। महाप्रबंधक, डिम्पी गर्ग ने शनिवार प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण कर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा/सुरक्षा के मद्देनजर की गई तैयारियों का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने छठ पर्व में यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर सोनपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी, जयनगर, झंझारपुर, मधुबनी सहित स्टेशनों का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक ने स्टेशनों पर बनाए गए होल्डिंग एरिया का भी निरीक्षण किया और उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, यात्री आवागमन, भीड़ प्रबंधन, होल्डिंग एरिया, पेयजल, साफ सफाई एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण कर ट्रेनों एवं स्टेशनों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की निरंतरता को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में महाप्रबंधक, डिम्पी गर्ग द्वारा यात्री सुविधा/सुरक्षा, संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया। विदित हो कि छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन, संरक्षा एवं सुचारू रेल परिचालन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई। इसी क्रम में अतिरिक्त यात्री सुविधाएं प्रदान करने एवं भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के ठहराव हेतु होल्डिंग एरिया का प्रावधान किया जा रहा। यहां यात्रियों को ट्रेन के आगमन एवं प्लेटफार्म पर प्रवेश से पूर्व व्यवस्थित रूप से ठहराया जा सकेगा।

24 नवंबर को आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस : नीतीश संवाद' की सफलता को लेकर दरभंगा में तैयारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

मंत्री लेसी सिंह, विधायक सह जिलाध्यक्ष ईश्वर मंडल की देखरेख में बनी कार्यक्रम की सफलता की रणनीति

संवाददाता

दरभंगा। आगामी 24 नवंबर को डीएमसीएच के ऑडोटोरियम में आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस नीतीश संवाद' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज दरभंगा में तैयारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक पंडासराय जदयू जिला कार्यालय स्थित आयोजित की गई। दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जिलाध्यक्ष जनता दल यूनाइटेड दरभंगा, राजेश कुमार मंडल उर्फ ईश्वर मंडल ने बताया बैठक मंत्री लेसी सिंह एवं विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष ईश्वर मंडल की देखरेख में संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष सह विधायक ईश्वर मंडल ने संबोधन में कहा कार्यक्रम की सफलता से पूर्व तक जिले के हर प्रखंड टोला कस्बों तक युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही हैं। मंत्री सह इस कार्यक्रम की प्रदेश संयोजक लेशी सिंह ने कहा नीतीश कुमार बिहार में बदलाव के नायक हैं। उन्होंने वर्ष 2005 से पहले की अराजकता, अंधेरे और



जंगलराज को खत्म कर राज्य में सुशासन की नींव रखी। उन्होंने कहा पहले बिजली की उपलब्धता बड़ी समस्या थी, जबकी अब स्थिति बदल चुकी है। सड़क, पुल, अस्पताल और स्कूल सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। मंत्री मदन सहनी ने कहा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नीतीश कुमार के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा इस दिशा में उनके द्वारा किए गए कामों का उदाहरण स्वतंत्र भारत में दूसरा नहीं है। विधायक विनय चौधरी ने कहा नीतीश संवाद की सफलता के लिए हर स्तरों पर तैयारी की जा रही हैं। जिसे ऐतिहासिक बनाना हम सबों की प्राथमिकता हैं। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन, विकास, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के विचारों और उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। पार्टी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं से आपसी समन्वय, पूरी प्रतिबद्धता के साथ आयोजन की सफलता में जुटने का आह्वान किया। बैठक में नेताओं एवं कार्यकताओं ने एकजुट होकर संकल्प लिया 24 नवंबर का यह आयोजन जनभागीदारी, संगठनात्मक एकता, सुशासन के संकल्प का प्रभावशाली संदेश देने वाला ऐतिहासिक कार्यक्रम बनेगा।

इस कार्यक्रम में दरभंगा कार्यक्रम की प्रभारी संगीता ठाकुर, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र दरभंगा के प्रत्याशी घनश्याम राय, डॉ अजीत चौधरी, शिव नंदन सिंह, कन्हैया शाह, अरूण झा, ललिता झा, मृदुला राय राम प्रवेश पासवान, डॉ अशोक कुमार सिंह, मुरारी मोहन मिश्रा, खुशबू सिंह, प्रदीप कुमार महतो, पप्पू महासेठ, अंजुला शर्मा, छेदी राय, सुदर्शन झा, पप्पू चौधरी, नागेंद्र पासवान, बोयेलाल मंडल, विनोदानंद झा, भगीरथ पासवान, मनोज कुमार सिंह, राजेश राय, राज कुमार राय, संजय झा, राजेश चौधरी, संतोष सिंह, परितोष यादव, जीतेन्द्र कुमार भानु, घनश्याम राय सहित सैकड़ो जदयू के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

आज महिलाओ ने अपने दम पर खींचती हैं कई नई लकीरें : किरण कुमारी



संवाददाता

दरभंगा। समाज को दिशा देने में महिलाओं की भूमिका भी कम नहीं है।ये अपने दम पर नई लकीरें खींचने का हिम्मत रखती हैं। यह बातें दरभंगा चित्रगुप्त सभा, दरभंगा के महिला संभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में शामिल महिलाओं ने कही। उन्होंने सामाजिक बदलाव में कायस्थ महिलाओं का योगदान विषय पर चर्चा की।वक्ताओं ने कहा महिलाएं अपने घरों से ही समाज सुधार का विचार रोपण आरंभ करती है। इसका प्रमाण कई स्थानों पर हमें तब मिला जब महिलाओं ने ऐसा कर दिखाया जो किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। आज जल थल और नभ तीनों जगह महिलाओं की भूमिका किसी से कम नहीं चाहे खेल का मैदान हो या घर आंगन हर जगह महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है जिससे समाज को नहीं दिशा मिली है। कार्यक्रम में दरभंगा चित्रगुप्त सभा, महिला संभाग की सचिव सरोज कुमारी, रत्ना श्रीवास्तव, प्रिय वरुण कर्ण, नीलम दत्ता, सीमा श्रीवास्तव, रीता सिन्हा, रूपम सिन्हा, युवा कलाकार माधुरी कुमारी सहित अन्य महिलाओं ने अपनी भागीदारी दी और चर्चा के दौरान विभिन्न पहलुओं पर अपने अपने विचार रखें।

औरंगाबाद के देव कार्तिक छठ मेला के आयोजन के लिए 45 लाख रुपये की स्वीकृति : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता

पटना : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध देव कार्तिक छठ मेला-2026 तथा नवीनगर प्रखंड स्थित सूर्य राघव मंदिर, बड़ेम में आयोजित होने वाले कार्तिक छठ मेला-2026 की तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए कुल 55 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसमें देव कार्तिक छठ मेला के आयोजन के लिए 45 लाख रुपये तथा सूर्य राघव मंदिर, बड़ेम के मेले के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर सचिव श्री अमित कुमार पांडेय की ओर से स्वीकृति आदेश जारी कर दिया गया है। इस अवसर पर माननीय राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में छठ महापर्व का विशेष स्थान है। देव की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता के कारण यहां आयोजित होने वाले कार्तिक छठ मेले में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को मेले के दौरान बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। माननीय मंत्री ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के आयोजनों को बेहतर स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। देव कार्तिक छठ मेला बिहार की धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मेले के सुव्यवस्थित आयोजन से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वीकृति आदेश के अनुसार, स्वीकृत राशि का उपयोग केवल संबंधित मेले के आयोजन एवं उससे जुड़ी व्यवस्थाओं पर किया जाएगा।

राशि का व्यय संबंधित अपर समाहर्त्ता, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता एवं अंचलाधिकारी के माध्यम से कराया जाएगा। इसकी संपूर्ण जवाबदेही संबंधित समाहर्त्ता, अपर समाहर्त्ता एवं निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की होगी। राशि की निकासी बिहार राज्य मेला प्राधिकार के लिए निर्धारित बजटीय प्रावधान के तहत की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत राशि का किसी अन्य कार्य में विचलन नहीं किया जा सकेगा तथा इसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप ही करना अनिवार्य होगा।

छठ पूजा के दौरान सुरक्षा को लेकर विद्युत विभाग की व्यापक तैयारी, घाटों के समीप विद्युत खंभों को प्लास्टिक से ढकने का कार्य जारी

संवाददाता

सासाराम। लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत आपूर्ति अंचल, सासाराम द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न घाटों पर पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना की आशंका को रोकने तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है।



इसी क्रम में छठ घाटों के समीप स्थित विद्युत खंभों को प्लास्टिक से ढकने का कार्य कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में विद्युत खंभों, तारों तथा अन्य विद्युत संरचनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। विभागीय कर्मियों द्वारा संवेदनशील स्थलों को चिह्नित कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है।

पर्व के दौरान छठ घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में सुचारु एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। विद्युत शक्ति उपकेंद्रों, ट्रांसफॉर्मरों एवं विद्युत लाइनों की निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सके। साथ ही संबंधित अभियंताओं एवं मानवबल को विशेष सतर्कता बरतने तथा किसी भी विद्युत समस्या पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में विद्युत अधीक्षण अभियंता, सासाराम ई. इंद्रदेव कुमार ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए घाटों के समीप विद्युत खंभों को प्लास्टिक से ढकने सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। विभाग का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को पर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी क्षेत्रों में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अपील गयी है की वे विद्युत खंभों, तारों, ट्रांसफॉर्मरों एवं अन्य विद्युत उपकरणों से उचित दूरी बनाए रखें। विद्युत खंभों पर लगे तारों को न छुएं और न ही उनके समीप किसी प्रकार की सजावट या अस्थायी संरचना लगाएं। यदि कहीं विद्युत तार टूटकर गिरा हुआ दिखाई दे अथवा किसी विद्युत उपकरण में खराबी नजर आए, तो उससे दूर रहें तथा तत्काल विद्युत विभाग को सूचित करें। किसी भी परिस्थिति में टूटे हुए विद्युत तार को स्वयं छूने या हटाने का प्रयास न करें। विद्युत आपूर्ति अंचल, सासाराम छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुचारु एवं निर्बाध विद्युत सेवा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

छठ की हर सामग्री में छिपा है प्रकृति, धर्म और विज्ञान का संदेश : अरुण कुमार सिंह

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने नव बिहार टाइम्स से बातचीत में कहा- छठ पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और लोक संस्कृति का महापर्व है

संवाददाता

डेहरी ऑन सोन। छठ पूजा भारतीय लोक आस्था, प्रकृति उपासना और सामाजिक समरसता का अद्भुत प्रतीक है। इस पर्व में सूर्यदेव और छठी मईया की आराधना के साथ प्रकृति से प्राप्त फल, अन्न, जल, मिट्टी और बाँस जैसी वस्तुओं का विशेष महत्व है।



छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाली प्रत्येक सामग्री के पीछे धार्मिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश छिपा हुआ है। यह बातें शिवहर जिले के डुमरी कटसरी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि छठ पूजा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों का सबसे प्रसिद्ध एवं पवित्र लोकपर्व है। अब इसकी लोकप्रियता देश की सीमाओं से बाहर भी फैल रही है। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में भारतीय मूल के लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ पर्व मनाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य को ऊर्जा, स्वास्थ्य और जीवन का आधार माना जाता है, जबकि छठी मईया से संतान सुख, परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की जाती है। चार दिनों तक चलती है कठिन साधना: पौराणिक कथाओं से जुड़ा है छठ का इतिहास उन्होंने बताया कि छठ पूजा की परंपरा वैदिक और पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। राजा प्रियव्रत और रानी मालिनी की कथा में षष्ठी देवी की उपासना से संतान प्राप्ति का उल्लेख मिलता है। महाभारत काल में द्रौपदी द्वारा सूर्य उपासना, महान योद्धा कर्ण की नियमित सूर्य आराधना तथा भगवान राम और माता सीता से जुड़ी मान्यताएं भी छठ पर्व की धार्मिक महत्ता को दर्शाती हैं। ऋग्वेद में भी सूर्यदेव की स्तुति के अनेक मंत्र मिलते हैं। बाँस का सूप, ठेकुआ और गन्ने का विशेष महत्व। फल और कृषि उत्पादों के माध्यम से प्रकृति के प्रति आभार।

मिट्टी के दीपक और बर्तन पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक सामाजिक एकता, भाईचारे और स्वच्छता का देता है संदेश अरुण कुमार सिंह ने कहा कि छठ पूजा हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, जलाशयों की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता का संदेश देती है। इस महापर्व की प्रत्येक परंपरा में भारतीय संस्कृति, लोकजीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना समाहित है। छठ केवल सूर्य और छठी मईया की आराधना नहीं, बल्कि मानव जीवन, प्रकृति, किसान, कारीगर और समाज के बीच अटूट संबंधों का उत्सव है। यही छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता और इसकी वास्तविक पहचान है।

प्रबुद्ध किसान साधु महतो का निधन, गुरुआ व दुब्बा गांव में शोक की लहर, विधायक ने जताया शोक

संवाददाता

गुरुआ गया: गुरुआ प्रखंड के दुब्बा गांव निवासी प्रबुद्ध नागरिक एवं किसान साधु महतो का निधन हो गया.उनके निधन की खबर मिलते ही गुरुआ और दुब्बा गांव में शोक की लहर दौड़ गई. वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे.उनके निधन से गांव के लोगों और शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है. निधन की खबर पाकर टिकारी विधायक अजय कुमार दांगी, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गिरेन्द्र कुमार, डी के डाडेल, नागमनी उर्फ टुटु, मुखिया सुनिल कुमार, किशोर यादव, मनीष कुमार, शिक्षक श्याम बिहारी आदि ने पीडित परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हिम्मत से काम लेने की बात कही. इधर परैया के मुखिया सुनिल कुमार ने बताया जाता है कि साधु महतो सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे. वे सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे तथा गांव में सभी लोगों के साथ अच्छे संबंध रखते थे.उनके निधन से समाज को



अपूरणीय क्षति हुई है.वे अपने पीछे चार पुत्रों में कमलेश कुमार, डाककर्मी दूर्गेश कुमार, हृदय कुमार, शिक्षक नरेन्द्र कुमार समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं.उनके निधन से गांव ने एक अच्छे नागरिक और अनुभवी किसान को खो दिया है.उनका अंतिम संस्कार गया स्थित विष्णुपद श्मशान घाट पर किया गया.

इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, किसान, रिश्तेदार एवं ग्रामीण उपस्थित रहे.सभी ने नम आंखों से विदाई दी. अंतिम विदाई में उनके पुत्र कमलेश प्रसाद, दूर्गेश कुमार, हृदय प्रसाद, नरेन्द्र कुमार आदि शामिल रहे.

अवैध बालू भंडारण और बिक्री के मामले में तीन गिरफ्तार, ट्रैक्टर जब्त

संवाददाता

डुमरिया गया: बोधी बिगहा थाना पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र में अवैध रूप से बालू का भंडारण कर चोरी-छिपे बिक्री करने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से बालू लदे एक ट्रैक्टर को भी जब्त किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रियनंदन आलोक ने बताया कि महुडी गांव के समीप अवैध रूप से बालू का भंडारण कर चोरी-छिपे बिक्री की जा रही थी। इस मामले में महुडी गांव निवासी संजय साव, रामता पासवान एवं अरुण भुइयां को बालू लदे ट्रैक्टर के साथ गिरफ्तार किया गया है। खनन विभाग के निरीक्षक शुभम कुमार सिंह के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

तीनों आरोपितों को पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, थानाध्यक्ष ने बताया कि कुड़िया स्थित सोरहर नदी से बालू लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त किया गया है।

आमस थाना क्षेत्र में नहाए खाए के साथ छठ शुरू



संवाददाता

आमस गया: नहाए खाए के साथ आमस थाना क्षेत्र में शुक्रवार को लोक आस्था का महान पर्व छठ शुरू हो गया' व्रतियों ने नदी, तालाब, पोखर, कुआं आदि जलाशयों में स्नान कर भगवान भाष्कर को जल अर्पित किया' इसके बाद घर आकर पवित्रता से चना के दाल, लौकी की सब्जी, अगस्त फूल के बजका के साथ खाना खाया' प्रखंड क्षेत्र के बाजार में सूप, दौरा व पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर देर शाम तक भीड़ लगी रही' मोरहर नदी में आई बाढ़ में हमजापुर छठ घाट की सीढ़ियां बह जाने के कारण यहां अर्घ्य देने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है' शेरघाटी नगर परिषद की ओर से घाट से थोड़ी दूर नदी में गड्ढे खोदकर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई है' खतरनाक हो चुके पुराने घाट को बैरिकेटिंग करा दी गई है' आमस सीओ अरशद मदनी ने बताया कि इस बार प्रखंड में लगभग तीन दर्जन से ज्यादा घाटों पर व्रती अर्घ्य देंगे' इसे लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है' पुलिस जवानों के साथ अधिकारी तैनात रहेंगे' शुक्रवार को बीडीओ नीरज कुमार रॉय के साथ उन्होंने कई छठ घाटों का जायजा भी लिया'

देव कार्तिक छठ मेला सह भास्कर महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

संवाददाता

औरंगाबाद: देव स्थित सूर्य नगरी के पावन कुण्ड परिसर में देव कार्तिक छठ मेला-2026-सह-भास्कर महोत्सव-2026 का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार तथा रमा निषाद, मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार-सह-प्रभारी मंत्री, औरंगाबाद सांसद अभय कुमार सिन्हा, सांसद, काराकाट राजाराम सिंह, दिलीप कुमार सिंह एवं जीवन कुमार सदस्य, बिहार विधान परिषद्, त्रिविक्रम नारायण सिंह विधायक, औरंगाबाद, ललन राम विधायक, कुटुम्बा, प्रमोद सिंह विधायक रफीगंज, डॉ प्रकाश चन्द्रा, विधायक, ओबरा, अमरेन्द्र कुशवाहा विधायक, गोह, जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अमरपाली प्रशिक्षण केंद्र, औरंगाबाद की छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल एवं प्रभारी मंत्री रमा निषाद को पौधा, शॉल एवं देव सूर्य मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं, अन्य गणमान्य अतिथियों का जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा पौधा, शॉल एवं देव मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। उप विकास आयुक्त ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि देव कार्तिक छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी आस्था, विश्वास, एकता एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व हमें शांति, पवित्रता एवं समर्पण का संदेश देता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आए। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने अपने संबोधन में लोक आस्था के महापर्व छठ के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, छठव्रतियों, श्रद्धालुओं एवं जिलावासियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष एवं गौरव का अवसर है कि देव कार्तिक छठ मेला-2026 का उद्घाटन किया जा रहा है। यह मेला 13 नवंबर से 16 नवंबर, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए देव पहुंचते हैं।

संपादकीय

चुनाव जीतने में माहिर भाजपा कार्यकर्ताओं को पद देने में फिसड्डी क्यों

भारतीय जनता पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताती है। पार्टी के पास करोड़ों सदस्य हैं, देश के कोने-कोने में संगठन है और बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कार्यकताओं की लंबी फौज है। चुनाव आते ही पार्टी के बड़े नेता रूठे हुए कार्यकताओं को मनाने में जुट जाते हैं। असंतुष्ट नेताओं को मनाने के लिए बैठकों का दौर चलता है। टिकट नहीं मिलने से नाराज नेताओं को मनाने के लिए संगठन के बड़े पदाधिकारी मैदान में उतरते हैं। किसी को संगठन में जिम्मेदारी देने का भरोसा दिया जाता है तो किसी को भविष्य में राजनीतिक अवसर मिलने का आश्वासन। लेकिन सवाल यह है कि जब केंद्र में भाजपा की अपनी सरकार है, सत्ता उसके हाथ में है और केंद्र सरकार के अधीन सैकड़ों आयोग, अकादमियां, बोर्ड और स्वायत्त संस्थाएं हैं, जहां अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पद खाली पड़े हैं, तो फिर कार्यकताओं को जिम्मेदारी देने में इतनी बेरुखी क्यों? दिल्ली स्थित नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा इसका एक उदाहरण है। इसके अध्यक्ष का पद लंबे समय से खाली है। परेश रावल का कार्यकाल 2024 में समाप्त हुआ था। इसके बावजूद अब तक नियमित नियुक्ति नहीं हो पाई। ठरऊ के उपाध्यक्ष का कार्यकाल दिसंबर 2027 में समाप्त होगा, जबकि कई सदस्यों का कार्यकाल जनवरी-फरवरी 2027 में खत्म होने वाला है। यानी समय रहते नियुक्तियां नहीं हुईं तो संस्थान में नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का संकट और गहरा सकता है। इसी तरह संस्कृति मंत्रालय के अधीन ललित कला अकादमी में भी अध्यक्ष और जनरल काउंसिल के पदों को लेकर लंबे समय से रिक्तियों की स्थिति बनी हुई है। जनरल काउंसिल का कार्यकाल मई 2023 में समाप्त हो गया था और अध्यक्ष का कार्यकाल मार्च 2026 में पूरा हुआ। यही नहीं, जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में उपाध्यक्ष का पद जुलाई 2019 से खाली है। आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन सदस्यों का प्रावधान है। इसके बावजूद पदों को भरने में मोदी सरकार की सुस्ती सवालों के घेरे में है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में भी उपाध्यक्ष और सदस्य के पद लंबे समय तक खाली रहे। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में भी उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग में अध्यक्ष और छह सदस्यों के पद भी दो साल से ज्यादा समय से खाली पड़े हैं। यह तो महज कुछ उदाहरण हैं, जबकि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधीन आने वाले आयोगों, परिषदों, बोर्डों, अकादमियों और स्वायत्त संस्थाओं में रिक्त पदों की फेहरिस्त कहीं अधिक लंबी है। सवाल यह है कि आखिर कितने ऐसे पद हैं, जिन पर वर्षों से नियुक्तियां नहीं हुई हैं? कितने संस्थान बिना अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के केवल प्रशासनिक अधिकारियों के भरोसे चल रहे हैं?

यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि जिस पार्टी की सरकार सत्ता में है, उस सरकार की नीतिगत और वैचारिक प्राथमिकताओं को संस्थानों में आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी? क्या यह काम नौकरशाही करेगी या फिर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से आने वाले वे लोग, जो सरकार की विचारधारा और दृष्टिकोण को समझते हैं? जब भाजपा के नेताओं के पास जिम्मेदारी और अवसर की आस लगाए बैठे कार्यकताओं के बायोडाटा का अंबार लगा है, तो फिर नियुक्तियां क्यों नहीं हो रही हैं?

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे



आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है। कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है। आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं। 11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरूआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - ''मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।'' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि ''साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता।'' स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। ''अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥'' अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि ''भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है।

संसद का गणित बदलते ही देश के राजनीतिक समीकरण बदलने की तैयारी, इस बार पास हो सकते हैं महिला आरक्षण, परिसीमन बिल!



महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आने वाला है। खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। चर्चा है कि दो से तीन दिनों का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाए। लेकिन इस बार इस पूरी कवायद के पीछे केवल महिला आरक्षण लागू कराने का मकसद नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने थे, तब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। सरकार चाहती थी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता खुल जाए। लेकिन विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया और 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक हथियार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने देशभर में यह संदेश देने की कोशिश की कि महिला आरक्षण के रास्ते में विपक्ष बाधा बन रहा है। बीजेपी का राजनीतिक नैरेटिव साफ था कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस ऐतिहासिक पहल को रोकने में जुटे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर असम और तमिलनाडु तक चुनावी विमर्श में इस मुद्दे को विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया गया और नतीजे भाजपा के पक्ष में रहे। असम, पश्चिम बंगाल में भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी तो साथ ही पुडुचेरी में एनडीए की सरकार वापस आ गयी। अब उसी तरह की राजनीतिक लड़ाई एक बार फिर सामने है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार नजरें 2027 के विधानसभा चुनावों पर हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है, जहां बीजेपी के सामने सत्ता बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से गरमाना बीजेपी के लिए एक बड़ा राजनीतिक अवसर बन सकता है। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू संसद का गणित है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत की जरूरत होती है। लोकसभा में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन हासिल करना अनिवार्य है। सरकार से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इस बार उसके पास जरूरी संख्या से 15 से 18 वोट अधिक हैं। यानी अप्रैल में जो विधेयक गिर गया था, उसे इस बार पारित कराने का भरोसा सरकार को है। देखा जाये तो अप्रैल में जब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की कोशिश की थी, तब संसद का राजनीतिक गणित आज जैसा नहीं था। उस समय तृणमूल कांग्रेस एकजुट थी और उसके सांसद विपक्ष के साथ खड़े थे। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में विभाजन और उसके अधिकांश सांसदों के नया गुट बनाकर एनडीए के साथ आने से लोकसभा का गणित बदल गया है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का भी एक बड़ा धड़ा बीजेपी के साथ आ चुका है। यानी अप्रैल में जिन दलों और सांसदों को विपक्ष की ताकत माना जा रहा था, नवंबर आते-आते उनमें से कई के राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। इतना ही नहीं, बीजेपी ने परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की है। बताया जा रहा है कि विधेयक में डीएमके की आपत्तियों का समाधान किया गया है। चूंकि डीएमके अब इंडिया गठबंधन से बाहर आ चुकी है, इसलिए उसके रुख में बदलाव और विधेयक को समर्थन देने की संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा रहा। इसके अलावा कई अन्य दलों के सांसदों की ओर से क्रॉस वोटिंग की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। यही वजह है कि अप्रैल में जहां सरकार के सामने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बड़ी चुनौती थी, वहीं नवंबर में वह पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई दे रही है। अगर इन राजनीतिक बदलावों का असर मतदान में दिखाई देता है तो विपक्ष के लिए पिछली बार की तरह विधेयक को रोक पाना आसान नहीं होगा।

साथ ही संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान न होना भी इस पूरी रणनीति का अहम संकेत है। मोदी सरकार ने 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित तो कर दिया था, लेकिन राष्ट्रपति से उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं कराया। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चलती रही है कि सरकार किसी भी समय संसद की विशेष बैठक बुला सकती है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि मौजूदा सत्र को दोबारा बुलाने के लिए नई बैठक की तुलना में कम नोटिस की जरूरत होगी। सत्रावसान नहीं होने के 90 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। अब चर्चा यह भी है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर ही संसद की विशेष बैठक आहूत की जा सकती है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन अगर ऐसा होता है तो सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को संविधान दिवस के राजनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व के साथ जोड़कर बड़ा संदेश देने की कोशिश करेगी। विपक्ष के सामने भी तब एक असहज स्थिति होगी। संविधान और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की बात करने वाले दलों को उसी दिन महिला आरक्षण और परिसीमन पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा, जिस दिन देश संविधान को अपनाने का उत्सव मनाता है। जाहिर है, मोदी सरकार इस बार केवल विधेयक पारित कराने की तैयारी नहीं कर रही, बल्कि संसद के भीतर बदले हुए राजनीतिक समीकरणों को चुनावी मैदान में अपने पक्ष में भुनाने की जमीन भी तैयार कर रही है।

हम आपको याद दिला दें कि अप्रैल में एनडीए को लोकसभा में 298 वोट मिले थे, जबकि जरूरी संख्या से वह काफी पीछे रह गया था। अब सरकार का दावा है कि उसने दूसरे दलों और सांसदों का समर्थन जुटाने में सफलता हासिल की है। अगर यह दावा सही साबित होता है तो महिला आरक्षण के साथ परिसीमन की पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता खुल सकता है। देखा जाये तो अगर मोदी सरकार इस बार विधेयक पारित कराने में सफल रहती है तो इसका राजनीतिक फायदा केवल महिला आरक्षण लागू कराने तक सीमित नहीं रहेगा। बीजेपी इसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार देने वाले ऐतिहासिक फैसले के रूप में पेश करेगी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में पार्टी इसे चुनावी मुद्दा बना सकती है। खासतौर पर महिला मतदाताओं के बीच यह संदेश देने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं बनाया, बल्कि राजनीतिक सत्ता में उनकी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की दिशा में भी निर्णायक कदम उठाया है।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ

संक्षिप्त खबरें

अतरुआ में शिव शिष्यों ने चलाया सफाई अभियान

संवाददाता

भगवानपुर बेगूसरायः छठ महापर्व में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष महत्व है। इसी भावना को साकार करते हुए शिव शिष्यों ने शुक्रवार को नहाय-खाय के दिन प्रखंड क्षेत्र में भव्य स्वच्छता अभियान चलाया। शिव शिष्यों का यह सफाई अभियान समस्तीपुर गांव से शुरू होकर अतरुआ गांव तक चला। हाथों में झाड़ू लिए शिव शिष्य भाई-बहन सड़क किनारे, घाट की ओर जाने वाले रास्तों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते हुए आगे बढ़े। इस अवसर पर शिव शिष्य संजय कुमार चौधरी, लालबाबू पासवान असुरारी, राजकुमार मंडल, रीना देवी, बबीता देवी, कमला देवी ने संयुक्त रूप से कहा कि छठ पूजा में स्वच्छता ही सबसे बड़ी पूजा है। कर्म को ही पूजा मानते हुए हम सभी शिष्य भाई-बहनों द्वारा यह सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि पूजा की पवित्रता का सम्मान किया जा सके। उन्होंने कहा कि छठव्रती जब पवित्रता के साथ घाट तक जाएंगी तो साफ-सुथरा वातावरण उन्हें और अधिक श्रद्धा व ऊर्जा प्रदान करेगा। इसलिए यह अभियान केवल सफाई नहीं, बल्कि लोक आस्था के प्रति सेवा भाव है। इस सफाई अभियान में पंचायत समिति सदस्य डिम्पल व राकेश कुमार सहित दर्जनों शिव शिष्य भाई-बहन मौजूद थे। ग्रामीणों ने भी शिव शिष्यों के इस कार्य की खूब सराहना की। लोगों का कहना है कि इस तरह के अभियान से समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और छठ महापर्व और अधिक भव्य व पवित्र तरीके से मनाया जा सकेगा।

छठ पर कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर रणकौशल प्रताप सिंह ने बढ़ाया हौसला

संवाददाता

लौरिया। छठ महापर्व के अवसर पर लौरिया विधानसभा क्षेत्र के सिसवनिया स्थित आवासीय परिसर में गुरुवार को कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रणकौशल प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू पटेल ने पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों को अंगवस्त्र और उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं भी दीं। समारोह को संबोधित करते हुए रणकौशल प्रताप सिंह ने कहा कि पिछले तीन महीनों से अस्वस्थता के कारण वे क्षेत्र में पहले की तरह सक्रिय नहीं रह सके, लेकिन इस दौरान भी कार्यकताओं और समर्थकों से उनका संपर्क एवं जुड़ाव बना रहा। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकताओं पर निर्भर करती है। कार्यकर्ता ही संगठन की असली पूंजी हैं। उनके सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों के लिए वे हमेशा खड़े रहेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक सरोकार से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल की जानकारी देते हुए बताया कि पटना में इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के ठहरने के लिए 20 बेड की निःशुल्क डोरमेट्री की व्यवस्था की गई है। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर पटना पहुंचने वाले जरूरतमंद लोगों को इस सुविधा से काफी राहत मिलेगी। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को रहने की समस्या से निजात मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राजनीति के साथ-साथ जरूरतमंदों की सेवा और कार्यकताओं का सम्मान उनकी प्राथमिकता है। समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। समारोह के दौरान कार्यकताओं में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

पौत्र रत्न की खुशी में महादलित बस्ती में साड़ी वितरण

संवाददाता

ठकराहा, प. चम्पारण। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जगीरहा की महादलित बस्ती में छठ महापर्व के अवसर पर पौत्र रत्न की प्राप्ति की खुशी में समाजसेवी कृष्ण मुरारी तिवारी के पुत्र इंजीनियर विकास तिवारी की ओर से महिलाओं के बीच साड़ी व अन्य सामग्री का वितरण किया गया। इस पहल के माध्यम से परिवार ने अपनी खुशी को समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ साझा करते हुए सामाजिक सरोकार और सेवा भावना का परिचय दिया। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मुरारी तिवारी का परिवार लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है। परिवार की ओर से प्रत्येक वर्ष महादलित बस्ती में कभी कंबल तो कभी साड़ी का वितरण किया जाता रहा है। इतना ही नहीं, क्षेत्र में किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा या विपदा आने पर भी यह परिवार जरूरतमंद और आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए बढ़-चढ़कर आगे आता रहा है। इंजीनियर विकास तिवारी की माता पंचायत की मुखिया रह चुकी हैं। स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता और जनसंपर्क की चर्चा होती रही है।

लोगों के बीच यह भी धारणा है कि यदि चुनाव में आरक्षण की व्यवस्था नहीं होती, तो उनकी लोकप्रियता के आधार पर वे लगातार चुनाव जीतती रहतीं। पौत्र रत्न की खुशी को जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा करने की यह पहल केवल वस्त्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सहभागिता, आपसी अपनत्व और मानवीय संवेदना का भी संदेश देती है।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन सेतु का नाम ''नीतीश सेतु'' किए जाने पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी का जताया आभार

संवाददाता

पटना। बिहार जनता दल (यू) के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखे जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बिहार के विकास में मा0 श्री नीतीश कुमार के अतुलनीय योगदान का सम्मान बताया। उन्होंने इस निर्णय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चैधरी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया।

अपने बयान में श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मा0 श्री नीतीश कुमार ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और अथक परिश्रम से बिहार की विकास यात्रा को नई दिशा और गति देने का काम किया। सड़क, पुल, बिजली एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में आज बिहार ने जो उल्लेखनीय प्रगति की है, उसके पीछे उनका 20 वर्षों का सतत प्रयास और विकास के प्रति अटूट संकल्प रहा है। कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन सेतु भी इसी दूरदर्शी सोच और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर और दक्षिण बिहार की जीवनरेखा बनने जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना से लेकर इसे धरातल पर उतारने तक, श्री नीतीश कुमार की अग्रणी भूमिका रही है। ऐसे में, इस सेतु को 'नीतीश सेतु' का नाम देना, आधुनिक बिहार के शिल्पी श्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और राज्य के नवनिर्माण में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति ऐतिहासिक सम्मान है। श्री कुशवाहा ने कहा कि 'नीतीश सेतु' मा0 नीतीश कुमार के विकास मॉडल और आधुनिक बिहार के निर्माण में उनके योगदान का जीवंत प्रतीक है। इससे लाखों लोगों को लंबी दूरी की परेशानी से राहत मिलेगी तथा व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त होगी। यह 'नीतीश सेतु' बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ राज्य की विकास यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह समस्त बिहारवासियों के लिए गौरव का क्षण है कि आगामी 21 नवंबर को मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के करकमलों द्वारा इस नीतीश सेतु का उद्घाटन कर इसे राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।

नार्को समन्वय केंद्र की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

बेगुसरायः जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री रिची पांडेय की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई, मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण, नशा उन्मूलन तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मनीष, सभी अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक, सिविल सर्जन बेगूसराय डॉ अशोक कुमार, वरीय उप समाहर्ता सुश्री पूजा कुमारी सहित सभी अनुमंडल पदाधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान अक्टूबर 2026 में मादक पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई। इस अवधि में कुल 08 कांड दर्ज किए गए तथा 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। कार्रवाई के दौरान 8 किलो 656 ग्राम गांजा, 291.38 ग्राम स्मैक, 177.44 ग्राम हेरोइन तथा 7 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए गए।

जिला पदाधिकारी श्री रिची पांडेय ने जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा नशामुक्त



समाज के निर्माण के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निरंतर एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला, तस्करी के नए तौर-तरीकों तथा अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में प्राप्त आसूचना को संबंधित विभागों के साथ तत्काल साझा किया जाए, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने जिले में अफीम एवं गांजा की अवैध खेती की संभावना वाले क्षेत्रों की पहचान कर ऐसी खेती के विनष्टीकरण की कार्रवाई का सतत अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिन क्षेत्रों में पूर्व में अवैध खेती की सूचना प्राप्त होती रही है, वहां के किसानों को वैकल्पिक फसलों एवं आजीविका संबंधी योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया, ताकि उन्हें अवैध गतिविधियों से दूर रखकर आजीविका के वैकल्पिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

बैठक में नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (NDPS Act) के कानूनी प्रावधानों के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इसके तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया, ताकि युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें इसके सेवन एवं अवैध कारोबार से दूर रखा जा सके।जिला पदाधिकारी ने बड़े एवं अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े मामलों के अनुसंधान की नियमित समीक्षा करने तथा न्यायालयों में लंबित एनडीपीएस मामलों में समयबद्ध अनुसंधान एवं गवाही सुनिश्चित कर त्वरित विचारण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने चिन्हित ड्रग पैडलर्स एवं तस्करों का विस्तृत डेटाबेस तैयार कर संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों के बीच साझा करने तथा विभागीय समन्वय को और मजबूत बनाने पर भी बल दिया।मादक पदार्थों की त्वरित एवं वैज्ञानिक पहचान के लिए आवश्यक टेस्टिंग किट और आधुनिक जांच उपकरणों की उपलब्धता का आकलन कर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत हेल्पलाइन 14446 के व्यापक प्रचार का भी निदेश सभी पदाधिकारियों को दिया गया।अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय को रेल्वे स्टेशन के आसपास के इलाके में नियमित जांच अभियान चलाने को कहा गया। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई, नशा उन्मूलन, जन-जागरूकता तथा नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।

निगम द्वारा करायी गयी छठ घाटों के सीढ़ियों की रंग-बिरंगी सुंदर पेंटिंग देख लगता है पूरे नगर निगम क्षेत्र में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब : गरिमा



संवाददाता

बेतिया। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर नगर निगम क्षेत्र के छठ घाटों की सजावट और सीढ़ियों पर की जा रही रंग-बिरंगी पेंटिंग से उनकी सुंदरता देखते ही बन रही है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने शुक्रवार को बानू छापर ओपी थाना घाट, सागर पोखरा और उत्तरवारी पोखरा सहित नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर तैयारियों और आकर्षक सजावट का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने नव अधिग्रहित क्षेत्रों के अन्हरी चुनहरी सहित अन्य छठ घाटों पर भी पहुंचकर निगम द्वारा करायी गयी रंगीन पेंटिंग से सजी सीढ़ियों की सुंदरता देखी। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि छठ मईया के महापर्व पर नगर निगम क्षेत्र के सुसज्जित छठ घाटों की सीढ़ियों पर श्रद्धालुओं द्वारा की गई रंग-बिरंगी पेंटिंग देखकर ऐसा लगता है कि पूरे नगर निगम क्षेत्र में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा है। उन्होंने अपनी आस्था और रचनात्मकता से घाटों को सुंदर स्वरूप देने वाले सभी श्रद्धालुजनों की मुक्तकंठ से सराहना की। छठ केवल आस्था और उपासना का पर्व नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता, स्वच्छता, समर्पण और सामाजिक एकजुटता का भी अनुपम उदाहरण है। श्रद्धालुओं की ऐसी पहल से छठ घाटों की सुंदरता के साथ पूरे शहर का धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण भी जीवंत हो उठा है।

48 घंटे के अंदर बच्चियों की बरामदगी नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन : नवीन सहनी

बिरौल के सुपौल बाजार से लापता हुई तीन नाबालिग बच्चियों का सात दिन बीत जाने के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं : एमएसयू

संवाददाता

दरभंगा /बिरौल। विगत 7 नवंबर को बिरौल के सुपौल बाजार से लापता हुई तीन नाबालिग बच्चियों का सात दिन बीत जाने के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाना बेहद चिंताजनक, दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चियों की सकुशल बरामदगी को लेकर आज मिथिला स्टूडेंट यूनियन के प्रदेश सचिव नवीन सहनी ने अपने संगठन के साथियों के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान नवीन सहनी ने कहा घटना के सात दिन बीत जाने के बाद भी बिरौल पुलिस प्रशासन के हाथ खाली होना बिरौल की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। तीन नाबालिग बच्चियों का इस तरह लापता होना अत्यंत गंभीर मामला है, लेकिन पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आना प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। प्रशासन को इस मामले में विशेष टीम गठित कर युद्धस्तर पर खोजबीन करनी चाहिए और बच्चियों की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने स्थानीय विधायक सुजीत सिंह एवं सांसद गोपालजी ठाकुर की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा इतनी गंभीर घटना के बावजूद जनप्रतिनिधियों का पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं करना और अब तक कोई ठोस पहल नहीं करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना भी उनका नैतिक



दायित्व है। नवीन सहनी ने बिरौल पुलिस प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा अगले 48 घंटे के अंदर बच्चियों की सकुशल बरामदगी की दिशा में ठोस, सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो मिथिला स्टूडेंट यूनियन व्यापक एवं उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। बच्चियों की बरामदगी संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मुद्दे पर संगठन चुप बैठने वाला नहीं है। उन्होंने प्रशासन से अपील किया के मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई करे, ताकि तीनों बच्चियां सकुशल अपने परिवार के बीच लौट सकें। मौके पर सत्यम सिंह, रौनक सिंह, एम.पी. यादव, विवेक सिंह सहित अन्य संगठन के साथी मौजूद थे।

एसबीआई के तीन खाते समेत अन्य बैंकों के सतरह खाते से 62 लाख के फर्जी लोन का मामला पहुंचा साइबर थाने में

संवाददाता

दरभंगा। एसबीआई की दरभंगा शाखा में खाताधारक के पैन कार्ड का कथित दुरुपयोग कर 62 लाख 14 हजार 302 रुपये के फर्जी ऋण खाते जोड़ने का मामला सामने आया है। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ओझौल निवासी राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को साइबर थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग किया गया है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया की उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग कर बैंक खाते से 20 फर्जी लोन खाते जोड़ दिए गए हैं। खातों में कुल 62, 14, 302 रुपये का ऋण और 36, 43, 511 रुपये बकाया दर्शाया गया है। जबकी उन्होंने अपने खाते से कभी कोई ऋण नहीं लिया है। सिविल कोर्ट दरभंगा के अवकाश प्राप्त कर्मी स्वर्गीय शैलेन्द्र कुमार सिंह के पुत्र राजेश कुमार सिंह के अनुसार, इस संबंध में एसबीआई के डिप्टी मैनेजर प्रवीण कुमार झा, असिस्टेंट मैनेजर पंकज कुमार झा और चीफ मैनेजर प्रणय कुमार झा से शिकायत

शिकायत पैन कार्ड का दुरुपयोग कर 20 लोन खाते मे जोड़ने का आरोप, बैंक के तीन अधिकारियों समेत अज्ञात लोगों पर कार्रवाई की मांग

की गई थी। आरोप है अधिकारियों ने सिविल में शिकायत करने की सलाह देकर मामले को टालने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि 20 कथित फर्जी लोन खातों में तीन खाते एसबीआई के ही हैं। पीड़ित ने 12 नवंबर को साइबर क्राइम शिकायत पोर्टल पर शिकायत संख्या 20511260079787 भी दर्ज कराई है। साइबर थानाध्यक्ष को दिए आवेदन के साथ पैन कार्ड, क्रेडिट ब्यूरो का स्क्रीनशॉट, साइबर सेल की शिकायत की प्रति, सिविल रिपोर्ट, एसबीआई के तीन कथित फर्जी लोन खातों का स्टेटमेंट संलग्न किया। उन्होंने बैंक के तीनों अधिकारियों, 20 अज्ञात ऋणधारकों और 17 अन्य बैंकों के अज्ञात अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही सच्चाई स्पष्ट होगी। इस मामले साइबर थाना में दिए गए आवेदन के आधार पर 13 नवंबर को प्राथमिक दर्ज किया गया है। जिसकी कांड संख्या 237 / 2026 दर्ज किया गया है।

सेवानिवृत शिक्षक ने छठव्रतियों के बीच बांटी छठ पूजा सामग्री



संवाददाता

मझौलिया। लोक आस्था का महापर्व सूर्यषष्ठी व्रत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से शुरू हो गया। महापर्व को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में उत्सवी माहौल है।

छठ घाटों की साफ-सफाई और सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। घाटों पर आकर्षक रोशनी, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारियां जोरों पर हैं। बाजारों में भी छठ पूजा की सामग्री खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। फल, सूप, दउरा, नारियल सेव, आदी, नाशपाती, मूल्ली समेत अन्य पूजन सामग्रियों की खरीदारी को लेकर दुकानों पर दिनभर चहल-पहल बनी हुई है। इधर, महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। विभिन्न छठ घाटों पर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।इसी बीच सतभीड़वा वार्ड संख्या 14 निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक भिखारी पांडेय ने सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर 21 असमर्थ छठव्रतियों के बीच छठ पूजा के लिए दउरा, साड़ी, पूजन सामग्री के साथ नकद राशि भेंट की। उनके इस सहयोग से जरूरतमंद व्रतियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। सेवानिवृत्त शिक्षक की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। लोगों का कहना है कि लोक आस्था के इस महापर्व में जरूरतमंद परिवारों की मदद करना सच्ची सेवा और सामाजिक समरसता का परिचायक है। ऐसी पहल से पर्व की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचती हैं।

भगवानपुर में चार घाट खतरनाक घोषित

संवाददाता

भगवानपुर बेगुसरायः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रखंड क्षेत्र में बूढ़ी गंडक नदी के किनारे अवस्थित चार घाटों को खतरनाक घोषित किया गया है। शुक्रवार को अंचलाधिकारी रानू कुमार ने बलान नदी के किनारे मेहदौली व भर्डिया घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस बार बलान नदी में उतना पानी ही नहीं है, जिससे किसी तरह के खतरे की आशंका हो। वहां छठव्रती सुरक्षित रूप से अर्घ्य दे सकेंगे।वहीं बूढ़ी गंडक नदी के किनारे वाले सूर्यपुरा, कोरजाना, चेरिया और जयरामपुर घाट को खतरनाक घोषित किया गया है। इन घाटों पर पानी की गहराई अधिक होने के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। अंचलाधिकारी ने बताया कि इन चारों घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे और बैरिकेडिंग भी की जाएगी, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में न जाएं और संभावित खतरे से बचा जा सके। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे खतरनाक घोषित घाटों पर जाने से बचें और प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षित घाटों पर ही छठ पूजा करें।

त्योहार से पहले बेगूसराय में खाद्य दुकानों पर प्रशासन की छापेमारी!

10 दुकानों की जांच, केले-सेब से लेकर गोभी तक के 6 सैंपल जब्त, जांच के लिए पटना भेजे गए

संवाददाता

बेगूसरायः आगामी पर्व को देखते हुए आम लोगों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। बाजारों में मिलावटी और मानक के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिला पदाधिकारी श्री रिची पाण्डेय के निर्देश पर जिलेभर में विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत खाद्य निरीक्षक श्री संजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में बरौनी प्रखंड की फल मंडी एवं नागदह सब्जी मंडी में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 10 दुकानों का निरीक्षण किया गया तथा अलग-अलग दुकानों से कुल 6 खाद्य पदार्थों के सैंपल संग्रहित किए गए।केले, सेब, पपीता, संतरा और गोभी के सैंपल जांच के लिए भेजे गए।जांच अभियान के दौरान खाद्य निरीक्षक की टीम ने पके एवं कच्चे केले, सेब, पपीता, संतरा एवं गोभी के नमूने संग्रहित किए। सभी 6 सैंपलों को गुणवत्ता, शुद्धता एवं निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच के लिए पटना स्थित प्रयोगशाला भेज दिया गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिले में अब तक 70 खाद्य पदार्थों के सैंपल संग्रहित, खाद्य निरीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बताया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 70 खाद्य पदार्थों के



सैंपल संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी पर्व को देखते हुए फल मंडियों, सब्जी मंडियों और खाद्य सामग्री की दुकानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जहां भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर संदेह होता है, वहां से नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाती है। खाद्य पदार्थों में मिलावट पर नहीं बरती जाएगी कोई नरमी खाद्य निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच एवं छापेमारी का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जिला प्रशासन का उद्देश्य पर्व के दौरान आम नागरिकों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। त्योहार की खुशियों में मिलावट का जहर न घुले, इसी उद्देश्य से बेगूसराय प्रशासन ने बाजारों की निगरानी तेज कर दी है। अब प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

महाप्रबंधक ने स्टेशनों का निरीक्षण कर छठ पर्व पर की गयी तैयारियों का लिया जायजा



संवाददाता

पटनाः महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण कर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा/सुरक्षा के मद्देनजर की गयी तैयारियों का जायजा लिया । महाप्रबंधक ने छठ पर्व में यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर सोनपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी, जयनगर, झंझारपुर, मधुबनी आदि स्टेशनों का निरीक्षण किया । महाप्रबंधक ने स्टेशनों पर बनाए गए होल्डिंग एरिया का भी निरीक्षण किया तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, यात्री आवागमन, भीड़ प्रबंधन, होल्डिंग एरिया, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण कर ट्रेनों एवं स्टेशनों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की निरंतरता को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया । इसी क्रम में महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा यात्री सुविधा/सुरक्षा तथा संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया । विदित हो कि छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन, संरक्षा एवं सुचारू रेल परिचालन को लेकर व्यापक तैयारियां की गयी हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त यात्री सुविधाएं प्रदान करने एवं भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के ठहराव हेतु होल्डिंग एरिया का प्रावधान किया जा रहा है । यहां यात्रियों को ट्रेन के आगमन एवं प्लेटफार्म पर प्रवेश से पूर्व व्यवस्थित रूप से ठहराया जा सकेगा । होल्डिंग एरिया से स्टेशन भवन एवं प्लेटफॉर्म तक यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। क्राउड मूवमेंट प्लान तैयार किया गया है । आरपीएफ एवं अन्य रेलकर्मियों द्वारा होल्डिंग एरिया से प्लेटफॉर्म तक यात्रियों की आवाजाही को फुट ओवरब्रिज के माध्यम से नियंत्रित किया जाएगा।

भक्ति और संस्कृति का संगमः बुद्धा मिशन स्कूल में बच्चों ने पेश किया छठ महापर्व का भव्य दृश्य

संवाददाता

सासारामः लोकआस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर गुरुवार को बुद्धा मिशन स्कूल सासाराम के प्रांगण में छठ महापर्व पर आधारित एक भव्य एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम (छठ एक्ट) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने छठ पूजा की पारंपरिक विधि-विधान, धार्मिक मान्यताओं और लोक संस्कृति को अपनी शानदार प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बिहार की समृद्ध लोक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था एवं सामाजिक एकता से परिचित कराना था।

विद्यार्थियों ने छठ महापर्व के विभिन्न पहलुओं को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसमें छठ व्रत की शुरूआत, नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य तथा उगते सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य देने की



परंपरा को विशेष रूप से दर्शाया गया। विद्यालय परिसर में आकर्षक ढंग से छठ घाट का प्रारूप तैयार किया गया था। घाट की सजावट में केले के पत्ते, गन्ने, फूल-मालाओं, दीपों, पूजा के सूप, दउरा, फल एवं पारंपरिक पूजन सामग्री का सुंदर संयोजन किया गया। जलाशय एवं सूर्यदेव की आकर्षक सजावट ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में छठ व्रती, परिवार के सदस्य एवं श्रद्धालुओं की भूमिका निभाई। छठी मैया के पारंपरिक गीतों, भक्तिमय संगीत और सूर्यदेव की आराधना ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। विशेष रूप से डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने के दृश्य ने बिहार की सांस्कृतिक पहचान और लोकआस्था का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता, अनुशासन, संयम, परिवार की एकजुटता और सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें सूर्य, जल और प्रकृति के महत्व को समझने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। विद्यालय के निर्देशक ओम प्रकाश सिंह ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों को अपनी सभ्यता, संस्कृति एवं परंपराओं को नजदीक से जानने और समझने का अवसर मिलता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, नैतिक मूल्य और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी है। विद्यालय के प्राचार्य त्रिलोक कुमार सिंह ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की पहचान और गौरव है। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में

संक्षिप्त खबरें

आईडीबीआई में वैश्विक पहुंच वाला सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता : फेयरफैक्स

संवाददाता

पटना। कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का 52, 878 करोड़ रुपये में आईडीबीआई बैंक का अधिग्रहण भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में एक बड़े बदलाव का रास्ता खोल सकता है। सरकार के स्वतंत्र मूल्यांकन मानक से अधिक की बोली लगाकर यह सौदा हासिल करने वाली कंपनी की योजना बैंक को बैंकिंग, बीमा, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में सक्रिय एक विविध वित्तीय सेवा कंपनी के रूप में विकसित करने की है। मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। अरबपति निवेशक प्रेम वत्स के नेतृत्व वाली फेयरफैक्स ने वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में 60.72 प्रतिशत नियंत्रण हिस्सेदारी के लिए 81 रुपये प्रति शेयर की पेशकश की। यह सरकार के 75.99 रुपये प्रति शेयर के बेंचमार्क मूल्यांकन से अधिक थी। फेयरफैक्स के प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) पीटर क्लार्क से इस संबंध में प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि कंपनी की नीति के तहत वह अपने किसी भी जारी लेनदेन पर टिप्पणी नहीं करती। हालांकि, उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आईडीबीआई में वैश्विक पहुंच वाला भारत का सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता है।

इससे भारत का क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम नागरिकों के जीवन में बदलाव आएगा। पहले उल्लेख किए गए लोगों के मुताबिक, प्रस्तावित अधिग्रहण से फेयरफैक्स को आईडीबीआई बैंक का प्रबंधन नियंत्रण मिल जाएगा। वहीं, सरकार और एलआईसी की संयुक्त रूप से 34 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी। दोनों बैंक की भविष्य की विकास यात्रा में भागीदार बने रहेंगे। बैंक का नियंत्रण हासिल करने के अलावा फेयरफैक्स की योजना गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, गो डिजिट लाइफ इंश्योरेंस और फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग्स की आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में हिस्सेदारी को भी आईडीबीआई बैंक के साथ जोड़ने की है।

गरीब परिवारों की मौतों पर सरकार मौन, उद्घाटन समारोहों में व्यस्त हैं मुख्यमंत्री : डॉ. अजय कुमार पासवान

संवाददाता

पटना: वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रेमराज गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की हृदयविदारक घटना पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन डॉ. अजय कुमार पासवान ने गहरी चिंता और संवेदना व्यक्त की है। इस घटना में मां, पत्नी और 12 वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि 15 वर्षीय बेटी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। उन्होंने पीड़ित बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। डॉ. पासवान ने कहा कि यह घटना बिहार में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बदहाल आर्थिक स्थिति, कर्ज के दबाव और सामाजिक असुरक्षा की भयावह तस्वीर पेश करती है। राज्य में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की कथित मनमानी वसूली, कर्ज की किस्तों के दबाव और वसूली के नाम पर प्रताड़ना की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार इन गंभीर समस्याओं पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ गरीब परिवार आर्थिक संकट और कर्ज के बोझ से टूट रहे हैं। वही दूसरी तरफ मुख्यमंत्री उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोहों में व्यस्त हैं। क्या सरकार की जिम्मेदारी केवल समारोहों में शामिल होना और प्रचार करना है? गरीबों की जिंदगी, उनकी पीड़ा और उनकी सुरक्षा के प्रति भी सरकार की जवाबदेही होनी चाहिए। डॉ. पासवान ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रेमराज गांव की इस घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। जीवित बची बच्ची के इलाज की पूरी व्यवस्था सरकार अपने खर्च पर करे तथा मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की वसूली प्रक्रिया की जांच कराई जाए और गरीब परिवारों को कर्ज वसूली के नाम पर होने वाली कथित प्रताड़ना से बचाने के लिए कठोर कानूनसम्मत कार्रवाई की जाए।

दनियावां में छठ घाटों पर तैयारी पूरी, एसडीपीओ ने किया निरीक्षण

संवाददाता

दनियावां (पटना)। दनियावां में छठ पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सभी घाटों की तैयारी पूरी कर ली है। फतुहा-2 के एसडीपीओ संजीव कुमार ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव स्थित छठ घाट का जायजा लिया। इस दौरान शाहजहांपुर थानाध्यक्ष उत्तम सिंह भी मौजूद रहे। एसडीपीओ ने बताया कि दनियावां प्रखंड में 16 प्रमुख घाट हैं, जहां बड़े स्तर पर छठ पूजा होती है।जीवनचक, एरई, काजीबीघा, चक्रज्जा, खरभैया, सरथुआ जैसे कई गांवों के लोग पौराणिक फल्गु नदी की शाखा लोकाईन (महतमाईन) की धीमी जलधारा में अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके अलावा कई छोटे-बड़े घाटों पर भी श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हैं। प्रखंड का कोई भी घाट संवेदनशील नहीं है। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी घाट पर एसडीआरएफ या गोताखोरों की तैनाती की जरूरत नहीं है। एसडीआरएफ आमतौर पर उन घाटों पर तैनात की जाती है, जहां नदी की धारा तेज हो और डूबने का खतरा ज्यादा हो। हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना को देखते हुए घाटों पर विशेष सुरक्षा और प्रशासनिक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस लगातार निगरानी रख रही है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सासाराम में छठ घाटों का सदर एसडीएम और एसडीपीओ ने किया निरीक्षण, सुरक्षा को लेकर दिए कई निर्देश

संवाददाता

सासाराम। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर सासाराम अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का सदर एसडीएम आईएएस प्रिया रानी एवं एसडीपीओ विप्लव कुमार ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं भीड़ नियंत्रण से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान जिन घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता महसूस हुई, वहां बैरिकेडिंग कराने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। प्रशासन की ओर से पर्व के दौरान घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

टास्क फोर्स द्वारा 179 समितियों का चयन किया गया

संवाददाता

नालंदा: उदिता सिंह, जिला पदाधिकारी, नालंदा की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स (अधिप्राप्ति) की बैठक आहूत की गयी। बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में किसानों से धान क्रय हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी, नालंदा द्वारा उपलब्ध कराये गए प्रस्ताव के आलोक में टास्क फोर्स द्वारा 179 समितियों (पैक्स/व्यापार मंडल) का चयन किया गया। साथ ही धान क्रय हेतु समितियों को तत्काल एक-एक लॉट धान का लक्ष्य उपलब्ध कराने तथा उसके अनुरूप नियमानुसार सी०सी० उपलब्ध कराने का निदेश जिला सहकारिता पदाधिकारी तथा एम०डी०, केन्द्रीय सहकारी बैंक, बिहारशरीफ को दिया गया।

डीएम और एसपी ने डेहरी के छठ घाटों का लिया जायजा

संवाददाता

डेहरी ऑन सोन। छठ महापर्व की तैयारियों का जायजा लेने जिलाधिकारी श्री दीपक कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक ने किया डेहरी अनुमंडल के प्रमुख छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी, रो चरहतास श्री दीपक कुमार मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक, रोहतास के साथ डेहरी अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न प्रमुख छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पाली घाट, सुधा घाट एवं कालरात्रि घाट पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों एवं श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, डेहरी सहित संबंधित प्रखंड एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।



निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों पर साफ-सफाई, जल की स्थिति, घाटों की पहुंच व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से घाटवार तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि छठ महापर्व आम जनमानस की गहरी आस्था एवं श्रद्धा से जुड़ा हुआ पर्व है। ऐसे में जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी छठ घाटों पर विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। घाटों पर जमा गाद, कचरा एवं अन्य अवांछित सामग्री को हटाकर पूजा योग्य बनाया जाए। घाटों तक आने-जाने वाले रास्तों की समुचित सफाई एवं आवश्यक मरम्मत कराई जाए, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि घाटों पर पहुंचने वाले मार्गों एवं सीढ़ियों को सुरक्षित बनाया जाए तथा जहां आवश्यक हो वहां फिसलन रोकने के लिए भी समुचित प्रबंध किए जाएं।

जल सुरक्षा के दृष्टिकोण से जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर जल की गहराई का आकलन कर खतरनाक एवं संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया जाए। ऐसे स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। नदी एवं जलाशय में अत्यधिक गहराई वाले स्थानों पर श्रद्धालुओं के जाने पर नियंत्रण रखा जाए। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए घाटों पर पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कर्मियों एवं आवश्यकतानुसार गोताखोरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान प्रातःकालीन अर्घ्य एवं संध्याकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहती है। इसलिए घाटों, पहुंच पथों, पार्किंग स्थलों एवं आसपास के प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था होनी चाहिए। बिजली आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था तथा विद्युत तारों एवं उपकरणों की सुरक्षा की भी समुचित जांच करने का निर्देश दिया गया।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों पर पेयजल, शौचालय, महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं, चेंजिंग रूम तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं बच्चों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध करने को कहा गया। घाटों पर प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन चिकित्सा सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक, रोहतास ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाए। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। घाटों के आसपास अनावश्यक वाहनों के परिचालन को नियंत्रित करने तथा आवश्यकतानुसार पार्किंग की व्यवस्था करने पर भी बल दिया गया। साथ ही असामाजिक तत्वों एवं उपद्रवी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रखने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करें। संबंधित पदाधिकारी स्वयं घाटों का नियमित निरीक्षण करते रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेशों का अक्षरशः अनुपालन हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं स्वच्छता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ महापर्व के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित समस्याओं का पूर्व आकलन कर उनके निराकरण की व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित की जाए। प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ सतत निगरानी रखें, ताकि श्रद्धालुओं को अर्घ्य अर्पित करने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। जिला प्रशासन, रोहतास द्वारा छठ महापर्व को सुरक्षित, स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का संकल्प है कि जिले के सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं एवं व्रतियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए पर्व को पूरी श्रद्धा, आस्था एवं उल्लास के साथ संपन्न कराया जाए।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर एनडीए की बैठक, तैयारियों की हुई समीक्षा



संवाददाता

पटना। आगामी 21 नवंबर को वैशाली जिले के जंदाहा-राजापाकर औद्योगिक क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जद (यू) प्रदेश कार्यालय, पटना में एनडीए की तैयारी एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जद (यू) के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेंद्र विवेक, हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 अनिल कुमार एवं रालोमो के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रशांत पंकज उपस्थित रहे। सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने तथा इसकी सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयारियों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। एनडीए घटक दलों के बीच बूथ स्तर तक बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ ही आपसी तालमेल और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से कार्यक्रम की तैयारियों को गति देने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर एनडीए के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन सेतु का नाम 'नीतीश सेतु' रखे जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके लिए मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी के प्रति आभार जताया। सभी ने कहा कि आगामी 21 नवंबर को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन होना अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़.दल के मुख्य सचेतक श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी, जद (यू) के प्रदेश महासचिव श्री अनिल कुमार, श्री पवन जायसवाल, श्री राजेश वर्मा सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सदर अस्पताल, गंगवाड़ा का किया औचक निरीक्षण

गर्भवती महिलाओं एवं आईपीडी में भर्ती मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश



संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी, कौशल कुमार द्वारा सदर अस्पताल, गंगवाड़ा का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, अस्पताल की साफ सफाई एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन डॉ.अरुण कुमार को निर्देश दिया अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं तथा आईपीडी में भर्ती मरीजों को समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाए।

जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया दरभंगा जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया जाए। प्रसव के जटिल मामलों में मरीजों को आवश्यकतानुसार सदर अस्पताल, गंगवाड़ा रेफर किया जाए। ताकि गर्भवती महिलाओं को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखभाल एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने इस व्यवस्था का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर एवं विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया मरीजों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण में उपचार की सुविधा मिले। अस्पताल परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, मरीजों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहने, अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहायक समाहर्ता, कल्पना रावत, सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार, प्रभारी उपाधीक्षक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ सदर अस्पताल, गंगवाड़ा डॉ. सुप्रिया नारायण, डीपीएम स्वास्थ्य, प्रभात कुमार राजू, डीसीएम रवि कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

छठ मिट्टी के बर्तन के बगैर शुभ नहीं माना जाता है सरकार से मांग हैं टेराकोटा भवन का टेराकोटा भवन का जीर्णोद्धार कर करें कुम्हार के सुपुर्द : रमेश पंडित

संवाददाता

दरभंगा। बिहार प्रजापति कुम्हार समाज समन्वय समिति, दरभंगा की ओर से छठ पर्व की शुभकामनाए देते हुए जिलाध्यक्ष दरभंगा - रमेश कुमार पंडित, रोमी पंडित जिला सचिव, उत्तीम पंडित कोषाध्यक्ष, नरेंद्र नारायण, शंभू पंडित शंकर पंडित, मुन्ना पंडित महेंद्र नारायण पंडित रामचंद्र पंडित, हर्ष नारायण पंडित, चंदेश्वर पंडित, तिरिपीत पंडित, हरिमोहन पंडित, उमेश पंडित, देबू पंडित अमोला, पूजा कुमारी, सरवन पंडित, राधे पंडित, मंजीत पंडित, अरुण पंडित, सतीश पंडित, नन्द किशोर पंडित, दिनेश पंडित, सुरेंदर नारयण, राधे पंडित, उपेंद्र पंडित, अशोक पंडित, डॉ राजेश पंडित, प्रमोद पंडित, अशोक कुमार पंडित, विष्णु देव पंडित ने कहा की छठ पूजा बिहार का प्राचीन पर्व है जिसमें में अस्मिता दिखाई पड़ती है। छठ पूजा में कुम्हार एवं किसान महत्वपूर्ण योगदान है।



छठ पर्व पर मिट्टी के बर्तन से भोजन बनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है आज भी मिट्टी के बने बर्तन से ही प्रसाद को ग्रहण करते हैं। छठ पर्व में मिट्टी के दिए ढकना, सरबा, हाथी कलस कोम माना जाता है मिट्टी से बने हाथी आज भी शुभ माना जाता है। छठ पर्व में मिट्टी से बने सूर्य देव की आराधना की जाती है। टेराकोटा भवन जीवनुद्धार होता है मिथिलाचल के साथ पूरे बिहार का कलाकृति और रोजगार का साधन मिलेगा। माटी कला बोर्ड गठन करके कुछ कुम्हार का जीवन खुशहाल करें। मौके पर रमेश पंडित जिलाध्यक्ष ने कहा छठ पर्व बिना मिट्टी के बर्तन से शुभ नहीं माना जाता इसलिए सरकार से मांग करते हैं टेराकोटा भवन का जीर्णोद्धार कर के कुम्हार के हवाले कर दे। हर्ष नारायण पंडित ने कहा जो पूर्व विधायक कैंडिडेट है सामाजिक एकता ही समाज की पहचान है। मौके पर प्रमोद पंडित ने कहा समाज के लिए वर्षों से मेहनत आज सफल होने को है आज पूरा समाज एक है और सामाजिक मुद्दे पर एक साथ खड़ा होते हैं। जिला सचिव रोमी पंडित ने कहा मिट्टी ही कुम्हार की पहचान है कुम्हार को विदेश में पहचान मिल रहा है लेकिन अपने देश में कोई सुविधा नहीं है। विवेक पंडित जिला मीडिया प्रभारी ने कहा हम आगे भी अपने मुद्दे को सड़क से सदन तक मांग को उठाएंगे। शंकर पंडित ने कहा मेरे पितांजी जो जापानी पंडित के नाम से जाने जाते थे उनकी कला का लोहा जापान की सरकारी मानती थी आज अपनी सरकार उन्हें अनदेखा कर रही है। सुबोध पंडित ने कहा छत पर कभी मौलागंज गुलजार रहा करता था इस बार अपेक्षा से कम बिक्री हुई है। इस अवसर पर सुबोध पंडित, जय कृष्ण नवीन, उप सचिव - दिनेश पंडित, रामभरोस पंडित, कल्लू पंडित, राजकुमार पंडित, इमरती देवी, मुन्नी देवी, कौशल्या देवी, किरण देवी रंजू देवी सहित अन्य प्रजापति समाज के लोग मौजूद रहे।

देव कार्तिक छठ मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 35 निःशुल्क बसों का परिचालन शुरू

संवाददाता

औरंगाबाद: देव कार्तिक छठ मेला-2026 के अवसर पर मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल तथा मंत्री, पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार रमा निषाद, सदस्य विधान परिषद दिलीप सिंह, सदस्य विधान परिषद जीवन राम, सदर बिधायक त्रिविक्रम सिंह, विधायक रफीगंज प्रमोद सिंह, विधायक ओबरा प्रकाश चंद्र, जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेन्द्रनाथ वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ किया गया।

जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा देव कार्तिक छठ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख मार्गों पर कुल 35 निःशुल्क बसों का परिचालन कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना तथा मेला अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखना है।

जिला प्रशासन द्वारा निम्नलिखित मार्गों पर निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई गई है। देव मोड़ से देव प्रखंड



तक दिन में 13 बसें एवं रात्रि में 8 बसें। माले नगर से बहुआरा मोड़ तक दिन में 4 बसें एवं रात्रि में 3 बसें। विशुनपुर प्राथमिक विद्यालय से कन्हैया मोड़ तक दिन में 4 बसें एवं रात्रि में 3 बसें।

इसके अतिरिक्त, चांदपुर से गोदाम तक 30 निःशुल्क ऑटो एवं ई-रिक्शा का भी परिचालन किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में और अधिक सुविधा मिल सके।

इसके साथ ही निजी वाहन संचालकों द्वारा सशुल्क ऑटो का भी परिचालन किया जाएगा। इसके लिए प्रमंडल द्वारा निर्धारित दरों के अनुरूप अधिकतम किराया तय किया गया है। यात्रियों की सुविधा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी वाहनों पर किराया सूची चिपकाई गई है। साथ ही, निर्धारित किराये की जानकारी के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर बैनर एवं पोस्टर भी लगाए गए हैं। जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षित मेला आयोजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

निःशुल्क बस एवं ऑटो सेवा की यह पहल देव कार्तिक छठ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवागमन को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

धीरेंद्र शास्त्री की कथा को लेकर भिड़े समर्थक और विरोधी गरमाई औरंगाबाद की राजनीति

संवाददाता

औरंगाबाद: बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शा स्त्री के नबीनगर के चित्तौरगढ़ में प्रस्तावित हनुमंत कथा को लेकर औरंगाबाद



सांसद अभय कुशवाहा के कथित बयान "बिहार में आएगा तो पता चलेगा" के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। सांसद के बयान के बाद सनातन समर्थक, सामाजिक का र्यकर्ता और युवा राजद आमने-सामने आ गए हैं। नबीनगर से विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रबुद्ध सामाजिक कार्यकर्ता लव कुमार सिंह ने सांसद के बयान की घोर निंदा की। लव कुमार सिंह ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम चि त्तौरगढ़, नबीनगर में होना है और किसी में हिम्मत है तो कार्यक्रम को रोक कर दिखाए।

यह नबीनगर है, यह वीरों की धरती रही है। यहां बड़े-बड़े लोग मिट्टी में मिल गए हैं। सनातन को मिटाने वाले खुद मिट गए हैं, सनातन सत्य और शाश्वत है। उन्होंने कहा कि सांसद को अतिथि देवो भव की परंपरा का ज्ञान नहीं है। उनका आधा संसदीय क्षेत्र इसी नबीनगर में पड़ता है और वे अपने ही क्षेत्र में आने वाले अतिथि के बारे में ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। सांसद को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

श्राद्ध का भोज खाकर घर लौट रहे लोगों की टेंपो को दूध वाहन ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, मासूम आयुषी समेत दो की दर्दनाक मौत!



संवाददाता

बेगूसराय: मालती चौक पर भीषण सड़क हादसे के बाद मची चीख-पुकार, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल, एक की हालत बेहद नाजुक! बेगूसराय जिला अंतर्गत नगर परिषद बिहट बरौनी थाना क्षेत्र के मालती चौक पर सड़क दुर्घटना ने दो परिवार की खुशियां छीन ली! बताया जाता है कि बरौनी से एक श्राद्ध क्रम में शामिल होने के बाद सभी अपने घर लौट रहे थे।

पोलियो की खुराक से कोई बच्चा न रहे वंचित, घर-घर पहुंचेंगी स्वास्थ्य विभाग की टीमें

22 से 28 नवंबर तक चलेगा अभियान, टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों को समझाने के लिए जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से मांगा सहयोग

संवाददाता

लौरिया। बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। आगामी 22 नवंबर से 28 नवंबर तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान के दौरान पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान में कोई भी बच्चा छूटे नहीं, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष रणनीति बनाई जा रही है। इसको लेकर नगर पंचायत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीडीओ संजीव कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

इसमें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रौशन कुमार के अलावा आईएफएम के सदस्य, जीविका प्रबंधक, पीसीआई के प्रतिनिधि, अस्पताल प्रबंधक, बीपीएम सहित अन्य संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में अभियान की सफलता के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सामने आया कि साठी पंचायत के वार्ड संख्या तीन स्थित धांगड़ टोली में करीब 550 परिवार अपने बच्चों को टीकाकरण कराने से इनकार कर रहे हैं। वहीं लौरिया प्रखंड में लगभग 300 ऐसे परिवार चिह्नित किए गए हैं, जिनके बच्चे टीकाकरण से वंचित हैं। इन परिवारों को जागरूक करना स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। बीडीओ संजीव कुमार ने कहा कि बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के लिए अभिभावकों का जागरूक होना बेहद जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

टोटल चेस: अर्जुन एरिगैसी ने बिबिसारा के खिलाफ दूसरा मुकाबला जीतकर की वापसी

बुडापेस्ट, (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट की फास्ट क्लासिकल प्रतियोगिता में कम रेटिंग वाली बिबिसारा असाउबायेवा से पहली बाजी में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने दूसरी बाजी में कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी को हराकर शानदार वापसी की। आर प्रज्ञाननंदा और आर वैशाली की भाई बहन की जोड़ी के लिए बृहस्पतिवार का दिन निराशाजनक रहा क्योंकि उन्हें अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञाननंदा जहां फैबियानो कारुआना से हार गए, वहीं वैशाली को हैंस नीमन ने हराया। विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी एरिगैसी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अच्छी शुरूआत की लेकिन बिबिसारा ने इसके बाद अपने प्यादों का अच्छा इस्तेमाल किया और पहला मुकाबला जीतने में सफल रही। बिबिसारा से 200 अधिक रेटिंग अंक वाले एरिगैसी ने हालांकि काले मोहरों से खेलते हुए जीत हासिल करके अच्छी वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों के ग्रुप डी में समान पांच पांच अंक हैं। इस ग्रुप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और नीमन सबसे आगे हैं। इन दोनों के आठ-आठ अंक हैं।

वैशाली एक ड्रॉ और तीन हार के साथ ग्रुप डी में सबसे निचले पायदान पर है। प्रज्ञाननंदा ग्रुप बी में कारुआना से अपने दोनों मैच हार गए। कारुआना ने सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञाननंदा के रक्षण में सेंध लगाने के लिए एक मोहरा कुर्बान किया और आसानी से जीत हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए भी जीत दर्ज की।

46 साल के दिग्गज रोनाल्डिन्हो इटली के क्लब रेवेना में शामिल, फोर्ली के खिलाफ होगा मैच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया में अपने शानदार खेल और चेहरे पर हमेशा बनी रहने वाली मुस्कान से पहचान बनाने वाले रोनाल्डिन्हो एक बार फिर मैदान पर उतरने जा रहे हैं। 46 साल की उम्र में ब्राजील के इस दिग्गज खिलाड़ी की पेशेवर फुटबॉल में वापसी होने जा रही है। वह इटली के क्लब रवेन्ना की ओर से अपना पहला मुकाबला खेलने के लिए तैयार हैं। रोनाल्डिन्हो रविवार, 15 नवंबर को रवेन्ना की ओर से फोर्ली के खिलाफ मैदान पर उतर सकते हैं। यह मुकाबला भारतीय समय के अनुसार रात 10 बजे शुरू होने की जानकारी दी गई है। दोनों टीमों के बीच यह मैच रवेन्ना के घरेलू मैदान स्टेडियो ब्रूनो बेनेली में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में करीब 12,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। ब्रिटेन में दर्शक इस मुकाबले को स्काई स्पोर्ट्स फुटबॉल के यूट्यूब चैनल पर मुफ्त देख सकेंगे। इसके अलावा रोनाल्डिन्हो के लिए बनाए गए विशेष प्रसारण चैनल आर10 कमबैक पर भी मुकाबले का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

बता दें कि रवेन्ना इटली के एमिलिया-रोमाग्ना क्षेत्र का एक क्लब है, जो देश की तीसरी श्रेणी की फुटबॉल प्रतियोगिता सीरी सी में खेलता है। इस प्रतियोगिता में 3 अलग-अलग समूह होते हैं और इनमें से कुल 4 टीमों को सीरी बी में खेलने का मौका मिलता है। रवेन्ना अपने समूह में दूसरे स्थान पर है। 13 मुकाबलों के बाद वह शीर्ष पर मौजूद स्पेजिया से 6 अंक पीछे है। क्लब के अनुभवी खिलाड़ियों में 36 साल के गिउलियो दोनाती भी शामिल हैं, जो पहले इटली की शीर्ष लीग और जर्मनी की बुंडेसलीगा में खेल चुके हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मुख्य कोच माइकल कैरिक को हटाया, मौरिसियो पोचेटिनो ले सकते हैं जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में खराब प्रदर्शन का असर अब टीम के नेतृत्व पर भी दिखाई देने लगा है। क्लब ने गुरुवार को मुख्य कोच माइकल कैरिक को उनके पद से हटा दिया। टीम के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन और अंक तालिका में खराब स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब अर्जेंटीना के मौरिसियो पोचेतीनो को उनका संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, जो फिलहाल अमेरिका की पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच हैं। माइकल कैरिक को करीब 6 महीने पहले 2 साल का अनुबंध देकर टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनसे उम्मीद थी कि वह इंग्लैंड के सबसे सफल क्लबों में शामिल मैनचेस्टर यूनाइटेड को एक बार फिर जीत की राह पर लाएंगे। हालांकि, उनकी देखरेख में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। रविवार को एस्टन विला के खिलाफ मुकाबला 4-4 से बराबर रहने के बाद क्लब ने कोच को हटाने का फैसला किया। इस मुकाबले के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड 20 टीमों की अंक तालिका में 18वें स्थान पर पहुंच गया था और टीम पर लीग से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा था। 10 मुकाबलों में केवल 1 जीत और कुल 8 अंक के साथ क्लब ने पिछले 40 साल में लीग सीजन की सबसे खराब शुरूआत की है। खास बात यह है कि यह प्रदर्शन इंग्लिश प्रीमियर लीग की शुरूआत से भी पहले के दौर की सबसे खराब स्थिति को दर्शाता है।

क्लब ने अपने बयान में कहा कि सीजन की निराशाजनक शुरूआत के बाद उसके सामने टीम की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बदलाव करना जरूरी हो गया था। क्लब ने यह भी साफ किया कि वह जल्द से जल्द नए स्थायी कोच की नियुक्ति करना चाहता है। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड की नजर मौरिसियो पोचेतीनो पर बताई जा रही है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, क्लब उनके साथ संभावित नियुक्ति को लेकर बातचीत की दिशा में काम कर रहा है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

भारतीय महिला हॉकी टीम में कई पोजीशन पर खेल सकने वाले खिलाड़ी तैयार कर रहे सोजर्ड मारिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि वह टीम को और अधिक मजबूत बनाने पर काम कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसे बहुमुखी खिलाड़ियों को तैयार करना है जो अगले सप्ताह भोपाल में होने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विभिन्न पोजीशन पर खेल सकें और परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठा सकें। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 19 से 28 नवंबर के बीच खेली जाएगी जिसमें भारत के अलावा पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड भी भाग लेंगे। भारत ने जापान में एशियाई खेलों के दौरान अपनी बहुमुखी प्रतिभा की झलक दिखाई, जहां उसने चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता और 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। मारिन ने कहा, ''हम टीम में और अधिक गहराई लाने पर काम कर रहे हैं जिससे कि अभ्यास सत्र अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। खिलाड़ी भी इससे अवगत हैं।'' उन्होंने कहा, '' हम चाहते हैं कि खिलाड़ी अलग-अलग पोजीशन पर खेल सकें। इससे टीम में और अधिक गहराई आएगी। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो विशेषकर ओलंपिक जैसे टूनार्मेंट में इससे मदद मिलेगी। यह खिलाड़ियों के विकास के लिए भी बहुत उपयोगी है।'' इशिका और रुतुजा दादासो पिसल के उदाहरण देते हुए मारिन ने कहा कि इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को अन्य भूमिकाओं में भी सहज बनाना था। इशिका मुख्य रूप से अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी हैं, लेकिन अब उन्हें मिडफील्ड में खेलने के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

सैंडपेपरगेट पर उस्मान ख्वाजा के दावों को पैट कमिंस ने बताया पूरी तरह बकवास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने उस्मान ख्वाजा के उस दावे को ''पूरी तरह बकवास'' करार दिया जिसमें उन्होंने कहा कि 2018 में क्रिकेट जगत को हिला देने वाले ''सैंडपेपरगेट'' कांड में गेंद से छेड़छाड़ करने में पूरी टीम शामिल थी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से कुछ घंटे पहले कमिंस ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अप्रत्याशित संवाददाता सम्मेलन बुलाया जिसमें उन्होंने लंबे समय तक अपने साथी रहे ख्वाजा की आत्मकथा में प्रकाशित आरोपों का जवाब दिया।

कमिंस ने खचाखच भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत यह कहकर की कि यदि जरूरी हो तो वह पूरे दिन रुककर सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह इस दुखद घटनाक्रम पर विराम लगाना चाहते हैं। कमिंस के बयान पर डेविड वार्नर की प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा होने की संभावना कम ही नजर आ रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गेंद से छेड़छाड़ करने के मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप-कप्तान वार्नर पर 12 महीने का प्रतिबंध और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया था।

बैनक्रॉफ्ट गेंद की शक्ल बिगड़ने के लिए सैंडपेपर (रेकमाल) का उपयोग करते हुए पकड़े गए थे। केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उस टेस्ट मैच में गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहे कमिंस ने ख्वाजा पर 'लापरवाह' और 'तुच्छ' रवैया अपनाने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने यह दावा किया था कि ड्रेसिंग रूम में हर कोई सैंडपेपर साजिश से अवगत था।

कमिंस ने कहा, ''अगर उनका कहना है कि मैदान पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने के बारे में हम सभी को पता था तो यह शत प्रतिशत गलत है।



मैं पिछले आठ वर्षों से लगातार यही कहता रहा हूं कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि ऐसा हो रहा है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि उस्मान वास्तव में इससे कहीं अधिक गंभीर बातें कह रहा है। उसने कहा है कि मैं और अन्य लोग भी सैंडपेपर से गेंद के साथ छेड़छाड़ करने की साजिश में शामिल थे। यह पूरी तरह से बकवास है।'' ख्वाजा ने कहा कि उन्होंने इस घटना का जिक्र उन तीन खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए किया, जिनके बारे में उनका मानना था कि उन्हें बलि का बकरा बनाया गया था।

उन्हें वार्नर का सार्वजनिक समर्थन मिला, जिन्होंने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उस समय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच जल्दबाजी में और गलत तरीके से की गई थी। वार्नर और स्मिथ ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। वार्नर ने 2024 में संन्यास ले लिया जबकि स्मिथ अभी भी टीम में हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चल रहे पहले वनडे मैच में कमेंट्री कर रहे वार्नर ने कमिंस की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे कमिंस ने ''उजी (ख्वाजा) को मुसीबत में डाल दिया है और मैं इससे बहुत निराश हूं।''

वार्नर ने कहा कि 2018 में टीम में रहे खिलाड़ियों की राय अलग-अलग होगी। उन्होंने कहा, ''पैट (कमिंस) मुझसे सहमत नहीं होगा और मैं उससे सहमत नहीं हो सकता। उसने जाहिर तौर पर उजी की किताब के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं, लेकिन मैं उजी और उसकी टिप्पणियों का समर्थन करता हूं।''

वार्नर ने कहा, ''मेरे लिए यह सच्चाई को स्वीकार करने से जुड़ा है और मुझे नहीं लगता कि यह मामला यहीं खत्म होगा।'' कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन केपटाउन टेस्ट मैच की गेंदबाजी आक्रमण में शामिल थे और उन्होंने 2021 में भी इन दावों को खारिज कर दिया था कि गेंद से छेड़छाड़ करने के मामले में वे सभी शामिल थे।

कुमामोटो मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत हुए बाहर



नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन किदांबी श्रीकांत एक बार फिर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और सीधे गेम में हारकर से बाहर हो गए। विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 40 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से पराजित किया। इस भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी।

हाल में हाइलो ओपन जीतने वाले आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग में 64,980 अंकों के साथ 12वें स्थान पर हैं। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी अल्वी फरहान से होगा। भारतीय खिलाड़ी ने विश्व में 10वें नंबर के फरहान के खिलाफ अभी तक दो मैच खेले हैं जिनमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत एक बार फिर अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे।

पहले गेम में उन्होंने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दूसरे गेम में वह अच्छी बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और जापान के विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से 22-24, 15-21 से हार गए। भारतीय खिलाड़ी ने बृहस्पतिवार को जापान के विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी और विश्व चैंपियनशिप में दो बार के रजत पदक विजेता कोडाई नाराओका को हराया था लेकिन वातानाबे के खिलाफ वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाए।

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पहला गेम करीबी अंतर से गंवाने के बाद दूसरे गेम में 12-5 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने कई गलतियां की जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। वातानाबे ने अंतिम 19 में से 16 अंक जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

मेहराजुद्दीन वडू ने गंगटे की हैट्रिक और कप्तानी को सराहा, युवा प्रतिभाओं के लिए मजबूत व्यवस्था की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मेहराजुद्दीन वाडू ने कप्तान दल्लालमौन गैंगटे के नेतृत्व कौशल और दबाव में उनके संयम की तारीफ करने के साथ युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को सीनियर राष्ट्रीय टीम तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत और व्यवस्थित व्यवस्था विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। गैंगटे ने बुधवार को कुआलालंपुर फुटबॉल स्टेडियम में सिंगापुर के खिलाफ एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के पहले मुकाबले में शानदार हैट्रिक लगाई। उनकी इस उपलब्धि की बदौलत भारत ने सिंगापुर को 4-2 से हराकर अपने अभियान की जीत के साथ शुरूआत की। रिस्तिक मैती ने भारत की ओर से चौथा गोल किया। वाडू ने कहा, ''गैंगटे की जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह सिर्फ उनके तीन गोल नहीं थे, बल्कि उनका जज्बा, आत्मविश्वास और जरूरत पड़ने पर टीम की जिम्मेदारी उठाने की क्षमता भी थी।''

अंडर-19 एशिया कप: अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की 93 रन की शानदार पारी के दम पर भारत ने बृहस्पतिवार को यहां अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। तेज गेंदबाज ईशान सूद की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 227 रन के स्कोर पर रोक दिया। भारत ने 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। कप्तान रायचंदानी ने 90 गेंद की पारी में 13 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्हें आर्यवीर सहवाग (51) और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाने वाले वीके विनीत (नाबाद 57) का अच्छा साथ मिला। इससे पहले पाकिस्तान ने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। पाकिस्तान ने लीग चरण में भी भारत को शिकस्त दी थी।

दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए रायचंदानी ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों को कोई खास मौका नहीं दिया। मोहम्मद अली की गेंद पर जोरदार पुल शॉट लगाकर 49 रन तक पहुंचे लक्ष्य ने अपनी पारी की 39वीं गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा



किया। अर्धशतक पूरा करने के बाद उन्होंने संभलकर बल्लेबाजी की और टीम को जीत की ओर ले जाने पर ध्यान दिया। उन्होंने सहवाग के साथ पहले विकेट के लिए 103 गेंद में 117 और विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद में 77 रन की साझेदारी कर भारत की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी।

लक्ष्य ने शानदार पुल और सीधे बल्ले से कई आकर्षक शॉट लगाए। दूसरी ओर, विनीत ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 61 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और नूर अली की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़कर मैच समाप्त किया। लक्ष्य एक गैरजरूरी शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने ऑफ स्पिनर सोहेल खान की गेंद को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से मारने की कोशिश में मोहम्मद अली को कैच दे बैठे। तब तक हालांकि भारत जीत के बेहद करीब पहुंच चुका था। सहवाग ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए सधी बल्लेबाजी की।

चौथे वनडे में विल यंग ने ठोका शतक

न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 334 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज विल यंग ने भारत की कमजोर गेंदबाजी और लचर फील्डिंग का फायदा उठाते हुए 108 गेंद पर 125 रन की पारी खेली, लेकिन भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 333 रन पर आउट करके अच्छी वापसी की। भारत पांच मैच की श्रृंखला के पहले दो मैच जीतकर 2-0 से आगे है। श्रृंखला का तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर यंग और उनके सलामी जोड़ीदार टिम सीफर्ट (48 गेंद पर 58 रन) ने 12 ओवरों में 85 रन जोड़कर पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए गए न्यूजीलैंड को शानदार शुरूआत दी। इस साझेदारी में सीफर्ट ने अहम भूमिका निभाई और 41 गेंदों में अपना पहला वनडे अर्धशतक पूरा किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को निशाने पर रखा तथा उन पर एक छक्का और दो चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने औकिब नबी पर लगातार दो



चौके जड़े। दूसरी तरफ यंग ने धीमी शुरूआत की और उन्हें लगातार दो गेंदों पर जीवनदान मिला। जब वह पांच रन पर थे तब नबी की गेंद पर पहले पहली स्लिप में रोहित शर्मा ने उनका कैच छोड़ दिया जबकि अगली गेंद पर विकेटकीपर ईशान किशन कैच लेने में नाकाम रहे। यंग ने इसका पूरा फायदा उठाया। बराड़ ने सीफर्ट को किशन के हाथों कैच कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई जिन्होंने अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद यंग ने आक्रामक रवैया अपनाया। भारतीय गेंदबाजों में अक्षर पटेल ने प्रभावित किया। उन्होंने शानदार लाइन पर गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में सिर्फ 39 रन दिए और निक केली का विकेट लिया। लेकिन अन्य दो स्पिनरों कुलदीप यादव (आठ ओवर में 73 रन) और नमन धीर (चार ओवर में 29 रन देकर एक विकेट) ने जमकर रन लुटाए। कुलदीप ने कभी-कभार गेंद को स्पिन कराया लेकिन ज्यादातर समय उनकी गेंदबाजी सपाट दिखी और एलन ने उन पर दो चौके और एक छक्का लगाया। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर ने लगभग हर ओवर में नौ से अधिक रन दिए। यंग ने बराड़ और कुलदीप की गेंदों पर एक-एक छक्का जड़ा। स्पिनरों के खिलाफ पैरों का सटीक इस्तेमाल यंग की पारी की विशेषता रही, जिसका सबूत कुलदीप की गेंद पर कवर के ऊपर लगाया गया छक्का था। उस समय न्यूजीलैंड 350 से अधिक का स्कोर बनाने की स्थिति में दिख रहा था। लेकिन यंग तब आउट हो गए जब उन्होंने धीर की गेंद पर सीधा शॉट खेला और डीप में स्थानापन्न खिलाड़ी कुमार कुशाग्र को कैच दे दिया। यंग ने 108 गेंद की अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के लगाए। भारतीय गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में न्यूजीलैंड को अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। उसने अंतिम 10 ओवरों में केवल 68 रन बनाए। कप्तान मिचेल सैंटनर की 24 रन की पारी की बदौलत न्यूजीलैंड 300 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा।

आईडब्ल्यूएल के 10वें सत्र का आगाज शुक्रवार को, ईस्ट बंगाल और गोकुलम केरल के बीच कल्याणी में भिड़ंत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल लीग (आई डब्ल्यूएल) के 10वें सत्र का आगाज शुक्रवार को कल्याणी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी और तीन बार की विजेता गोकुलम केरल एफसी के मुकाबले से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा। देश की इस प्रमुख महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के 2026-27 सत्र में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इस दौरान कुल 56 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ही टीमें जीत के साथ अभियान का आगाज करना चाहेंगी। गोकुलम केरल की कप्तान बेबी लालछंदामी ने बड़े मुकाबले से पहले अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, ''पहले मुकाबले में हमारा सामना ईस्ट बंगाल से होगा। हम उनकी मजबूती और कमजोरियों से अच्छी तरह परिचित हैं। हमने इतनी अच्छी तैयारी की है कि उनकी कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपनी ताकत बना सकें।'' ईस्ट बंगाल के मुख्य कोच एंथनी एंड्रयूज ने साफ किया कि उनकी टीम इस बार भी



खिताब अपने पास बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। उन्होंने कहा, ''एक टीम के रूप में हमारी सफलता की सबसे बड़ी वजह खिलाड़ियों का मजबूत कोर ग्रुप और उनकी सोच है, जिसे हमने लगातार बेहतर बनाया है। इस सत्र में हम पूरी आक्रामकता के साथ खेलेंगे और शानदार अंदाज में खिताब का बचाव करना हमारा लक्ष्य है।'' नये सत्र के साथ लीग ने व्यावसायिक क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 'लक्ष्मी' आईडब्ल्यूएल की पहली टाइटल प्रायोजक बन गई है। यह साझेदारी कैप्री स्पोर्ट्स और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच लीग तथा आईडब्ल्यूएल-2 के व्यावसायिक विकास और विपणन को लेकर हुई 15 साल की साझेदारी के बाद हुई है।

आईओए ने हॉकी इंडिया को चेताया

भोलानाथ सिंह जांच समिति को तुरंत फंड देने का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने हॉकी इंडिया को जांच समिति के लिए अब तक धनराशि जारी नहीं करने पर फटकार लगाते हुए कहा कि भोलानाथ सिंह पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए गठित समिति का काम धन की कमी के कारण रुका हुआ है और हॉकी इंडिया का यह रवैया अस्वीकार्य है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया (एचआई) को जांच समिति के लिए धनराशि जारी नहीं करने पर फटकार लगाई। आईओए ने कहा कि हॉकी इंडिया की यह अस्वीकार्य निष्क्रियता समिति के कामकाज में बाधा डाल रही है।

इस समिति को हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच करनी है। आईओए की ओर से गठित चार सदस्यीय स्वतंत्र जांच समिति अभी तक अपनी जांच शुरू नहीं कर सकी है। इस समिति की अध्यक्षता उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपा शर्मा कर रही हैं। पूर्व हॉकी खिलाड़ी और प्रशासक असुंता लाकड़ा ने भोलानाथ पर उत्पीड़न और धमकाने के आरोप लगाए हैं। समिति का गठन दो महीने पहले किया गया था। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों को पत्र लिखकर आरोपों की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया।

अय्यर ने अपने ई-मेल में लिखा, ''आईओए हॉकी इंडिया की ओर से जांच समिति को आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराने के मामले को गंभीरता से लेता है। इसके कारण समिति का कामकाज प्रभावित हुआ है। आरोपों की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के महत्व को देखते हुए इस तरह की निष्क्रियता अस्वीकार्य है।'' उन्होंने कहा, ''जांच समिति को तत्काल अपनी कार्यवाही शुरू करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक धनराशि बिना किसी और देरी के जारी किया जाना चाहिये।'' यह घटनाक्रम हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की की ओर से धनराशि जारी करने के लिए बार-बार याद दिलाए जाने के बाद भोलानाथ की प्रतिक्रिया के बाद सामने आया है।

भोलानाथ ने कहा कि चूंकि आरोप उन्हीं के खिलाफ लगाए गए हैं, इसलिए चेक पर उनके हस्ताक्षर करना हितों के टकराव का मामला होगा। उन्होंने इसके बजाय टिर्की से हॉकी इंडिया के कार्यालय आकर अध्यक्ष के तौर पर चेक पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया। भोलानाथ ने अपने जवाब में लिखा, ''समिति को धनराशि जारी करने में कोई अड़चन नहीं है। मेरे खिलाफ लगाए गए कुछ झूठे आरोपों को देखते हुए इस मामले में हितों का सीधा टकराव है। इसलिए जांच समिति के लिए चेक पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए उचित नहीं होगा। इससे जांच की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।'' उन्होंने लिखा, चेक पर अध्यक्ष (अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता) और कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। इसलिए आपसे अनुरोध है कि हॉकी इंडिया के कार्यालय आकर चेक पर हस्ताक्षर करें। इस संबंध में किसी भी सहायता की आवश्यकता हो तो कृपया सूचित करें।''

खेल मंत्रालय के निर्देश के बाद इस जांच समिति का गठन किया गया था। समिति में पूर्व एथलीट वंदना राव, भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान ममता खरब और अधिवक्ता सिटवत नबी को सदस्य बनाया गया है। हॉकी इंडिया को समिति के सभी खर्चों का वहन करने का निर्देश दिया गया था। इनमें पेशेवर शुल्क, मानदेय, यात्रा, ठहरने और अन्य आकस्मिक खर्च शामिल हैं। हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड की सदस्य लाकड़ा ने आरोप लगाया है कि झारखंड में स्थानीय कोच सुधीर गोला पर लड़कियों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों पर आपत्ति जताने के बाद भोलानाथ ने उन्हें धमकाया और प्रताड़ित किया।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी छोड़ना चाहते हैं अक्षर पटेल, नीलामी के बाद होगा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल के अगले सीजन की तैयारी के बीच दिल्ली कैपिटल्स के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले टीम को अपने कप्तान के नाम पर फैसला करना है, लेकिन मौजूदा कप्तान अक्षर पटेल इस जिम्मेदारी को आगे जारी रखने के इच्छुक नहीं बताए जा रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 2 सीजन में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अक्षर ने कप्तानी से दूरी बनाने की इच्छा जताई है।

हालांकि, दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन अभी अक्षर को कप्तानी से हटाने के पक्ष में नहीं है। सूत्रों के अनुसार, टीम प्रबंधन उन्हें इस जिम्मेदारी को जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है। अक्षर पटेल फ्रेंचाइजी के अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। यही वजह है कि टीम ने इस सीजन में उनके लिए आए कई बड़े अदला-बदली के प्रस्ताव भी ठुकरा दिए



हैं। फिलहाल प्रबंधन ने नीलामी पूरी होने तक कप्तान के नाम पर अंतिम फैसला टाल रखा है।

बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स पिछले 2 सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है। साल 2025 में टीम प्लेऑफ के काफी करीब पहुंची थी, लेकिन पिछले सीजन में उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उसे छठे स्थान से संतोष करना पड़ा। इस दौरान अक्षर पटेल के व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी गिरावट देखने को मिली। उन्होंने 14 मुकाबलों में केवल 173 रन बनाए और 11 विकेट हासिल किए।

संक्षिप्त खबरें

सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सभी रक्षात्मक कदम उठाएगा पाकिस्तान, सैन्य प्रवक्ता का बड़ा बयान

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा है कि उनका देश सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक रक्षात्मक कदम उठाने को तैयार है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हाल के महीनों में यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों और हवाई अड्डों पर किए गए कई हमलों के बीच पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने यह बात कही। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की खबर के अनुसार, चौधरी ने बुधवार को एक सऊदी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति इस्लामाबाद की प्रतिबद्धता पूर्ण और अटल है।

उन्होंने कहा, मौजूदा परिस्थितियों और सऊदी अरब तथा पाकिस्तान के बीच संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते एवं मक्का गठबंधन के आधार पर पाकिस्तान साम्राज्य की रक्षा के लिए सभी आवश्यक रक्षात्मक कदम उठाने को तैयार है। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पिछले साल सितंबर में रियाद में रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों ने संकल्प लिया था कि किसी एक पर हमला दोनों देशों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा। बाद में दोनों देशों ने तुर्किये के साथ मिलकर मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिसके तहत किसी तीसरे देश के हमले की स्थिति में एक-दूसरे का साथ देने की बात कही गई है।

माइक्रोसॉफ्ट ने बैकएंड सर्वर ठप होने की जांच शुरू की, किसी साजिश से किया इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट की आउटलुक और टीम्स समेत कई सेवाओं में लगातार दूसरे दिन भी व्यवधान बना रहा, जिससे भारत सहित दुनियाभर के उपयोगकताओं को परेशानी हुई। कंपनी ने कहा है कि वह समस्या के कारणों का पता लगा रही है और फिलहाल उसे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजकर 16 मिनट पर दी गई अद्यतन जानकारी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के सेवा स्थिति पृष्ठ पर माइक्रोसॉफ्ट 365 के व्यावसायिक और उद्यम ग्राहकों के साथ-साथ उपभोक्ता उत्पादों के लिए भी ''सेवा में गिरावट'' लिखा दिखा। कंपनी ने कहा कि वह अचानक बढ़े 'ट्रैफिक' के मूल कारण का पता लगाने और अपने बैकएंड सर्वर को फिर से चालू करने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है।

कंपनी ने कहा, ''फिलहाल हमें इस घटना के पीछे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है।'' उसने कहा कि समस्या दूर होने के बाद घटना की विस्तृत जानकारी मूल कारण से जुड़ी रिपोर्ट में साझा की जाएगी। भारत में विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक सेवा में व्यवधान के कारण उसकी ईमेल सहायता सेवाएं प्रभावित हुई हैं और वह ग्राहकों के ईमेल प्राप्त नहीं कर पाएगी। विमानन कंपनी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सहायता के अन्य सभी माध्यम उपलब्ध हैं। उसने तत्काल मदद की जरूरत वाले ग्राहकों से अपनी वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिये 6ई स्काई से संपर्क करने को कहा। माइक्रोसॉफ्ट 365 सेवाओं की वे सुविधाएं प्रभावित हुई हैं, जो एक्सचेंज ऑनलाइन और ईमेल के साथ काम करती हैं जबकि उन पर निर्भर नहीं रहने वाली सुविधाएं काम कर रही हैं।

सेवाओं में आयी बाधा पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, भारत में उपयोगकताओं ने बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे से समस्याओं की शिकायतें दर्ज करानी शुरू कर दी थीं। वेबसाइट पर व्यवधान की शिकायतों की संख्या रात के दौरान कम हुई, लेकिन शुक्रवार सुबह छह बजे के बाद इनमें फिर तेजी से बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उसके सिस्टम पर दबाव 'ट्रैफिक' बढ़ने के कारण नहीं, बल्कि ''कई सर्वर के अप्रत्याशित रूप से अनुपलब्ध हो जाने'' की वजह से पड़ा।

वर्षा गायकवाड़ ने मुंबई की लोकल ट्रेनें में महिला सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महानगर में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने एक महिला पर बेरहमी से हमला किए जाने के बाद रेलवे स्टेशनों और लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। चार नवंबर को पड़ोसी पालघर जिले के नायगांव स्टेशन पर एक ट्रेन में कथित तौर पर छेड़छाड़ के बाद पटरी पर धकेले जाने से 20 वर्षीय महिला का एक हाथ कट गया था।

इस मामले में 53 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गायकवाड़ ने कहा कि रेलवे को पीड़िता को पर्याप्त आर्थिक सहायता देनी चाहिए और उसके इलाज का पूरा खर्च उठाना चाहिए। यहां संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस सांसद ने आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि जब यह घटना हुई, तब रेलवे पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां क्या कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''मुंबई में पिछले कुछ वर्षों में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार के दावे झूठे हैं। महिलाएं लोकल ट्रेनों में सफर करते समय भी सुरक्षित नहीं हैं।'' गायकवाड़ ने दावा किया कि मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेनें अब 'मौत की पटरी' बनती जा रही हैं। उन्होंने लोकल ट्रेन के भीतर एक युवक की चाकू मारकर हत्या और रेलवे स्टेशनों के पास हमले की हालिया घटनाओं का जिक्र किया।

मुंबई की वायु गुणवत्ता: बीएमसी 22 करोड़ रुपये में लगाएगी 5 नए मॉनिटरिंग स्टेशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई में खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) शहर में 22 करोड़ रुपये की लागत से पांच और वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र स्थापित करेगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये पांच नए वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र मुलुंड, दादर, गोरेगांव, चर्नी रोड और सांताक्रूज में स्थापित किए जाएंगे। फिलहाल दादर, चर्नी रोड और मुलुंड में कोई निगरानी केंद्र नहीं है। मुंबई में अभी बीएमसी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान की निगरानी में 29 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र हैं। इन केंद्रों से मिलने वाले आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी डैशबोर्ड समीर पर भेजे जाते हैं। नगर निकाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित पांच नए केंद्रों में से दो मौजूदा बीएमसी केंद्रों की जगह लगाए जाएंगे, जबकि बाकी तीन ऐसे स्थानों पर स्थापित होंगे, जहां पांच किलोमीटर के दायरे में कोई निगरानी केंद्र नहीं है। पिछले एक सप्ताह के दौरान मुंबई का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम से खराब और बहुत खराब श्रेणी के बीच रहा है। अधिकारी ने बताया कि 22 करोड़ रुपये की इस परियोजना में पांचों केंद्रों को स्थापित करने, पांच साल तक उनका संचालन करने और रखरखाव का खर्च शामिल है। इन केंद्रों के छह महीने में काम शुरू करने की उम्मीद है। केंद्रों के लिए स्थानों के चयन के बारे में अधिकारी ने कहा कि ये जगहें सीपीसीबी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य शहर के विभिन्न इलाकों में हवा की सामान्य गुणवत्ता का आकलन करना है।

कभी भरी मीटिंग में जेन्सेन हुआंग ने 'डियर इन द हेडलाइट्स' कह उड़ाया था मजाक

अब उन्हीं को रिप्लेस कर बनीं एनवीडिया की नई बॉस



नई दिल्ली, (एजेंसी)। कथित अफेयर्स की खबरों के बीच गुरुवार को एनवीडिया के सीईओ पद से इस्तीफा देने वाले जेन्सेन हुआंग को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि हुआंग ने कभी कोलेट क्रेस को कमतर आंकते हुए उनका उपहास किया था, लेकिन अब उन्हीं क्रेस ने कंपनी में हुआंग की जगह ली है। बता दें कि हुआंग पर लगे विवाहेतर संबंधों के आरोपों में एक ऐसी महिला का नाम भी शामिल है, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। बोर्ड ने बुधवार को अपनी मौजूदा कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी, कोलेट क्रेस्स को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया। जब तक कोई स्थायी उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं हो जाता, तब तक क्रेस्स अपनी अंतरिम भूमिका के साथ-साथ कार्यकारी उपाध्यक्ष और सीएफओ के रूप में भी काम करती रहेंगी।

इस साल अगस्त में हुआंग ने एक बढ़ती चिंता पर चर्चा करने के लिए शीर्ष वित्त अधिकारियों की एक बैठक बुलाई। एनवीडिया उन कंपनियों को अरबों डॉलर की वित्तीय गारंटी देने पर विचार कर रहा था, जो उसके चिप्स खरीदने में सक्षम नहीं थीं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें हुआंग के दामाद निको कैप्रेज के नेतृत्व वाले सौदे भी शामिल थे। कैप्रेज उभरते क्लाउड प्रदाताओं और डेटा-सेंटर डेवलपर्स को फाइनेंसिंग की पेशकश कर रहे थे, ताकि उन्हें लंबे समय तक चलने वाले ग्राहक बनाया जा सके। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट दी है कि पूर्व शीर्ष अधिकारी (हुआंग) ने कमरे में टहलते हुए मौजूदा मुद्दे पर चर्चा के दौरान क्रेस की बात बीच में ही काट दी और उन्हें "डियर इन द हेडलाइट्स" (अचानक घबरा जाने या सुन्न पड़ जाने वाला शख्स) कहकर अपमानित किया। मीटिंग के दौरान हुआंग ने यह भी कहा कि क्रेस महज एक रिपोर्टिंग सीएफओ हैं, न कि कोई ऐसी अधिकारी जो रणनीति बनाने या बड़े फैसले लेने में उनकी मदद कर सकें। जेन्सेन हुआंग के उएड पद से हटने के बाद, यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से क्रेस्स के कंधों पर आ गई है, जिन्हें कभी इस टॉप पद के लिए तैयार नहीं किया गया था। 'द इकोनॉमिस्ट' के अनुसार, जब से यह घोटाला सामने आया है, एनवीडिया के शेयरों की कीमत में लगभग 20% की गिरावट आई है।

निवेशकों का भरोसा फिर से कायम करने के अलावा, उन्हें सप्लायर्स को सुरक्षित करना होगा, वाशिंगटन के साथ संबंध सुधारने होंगे, और फाइनेंसिंग डील्स तथा साझेदारियों के उस जटिल नेटवर्क को संभालना होगा, जिसने एनवीडिया की तेज ग्रोथ में अहम भूमिका निभाई है। एनवीडिया, ओहियो में एक बहुत बड़े डेटा-सेंटर प्रोजेक्ट को सपोर्ट करने के लिए ओपनएआई के साथ बातचीत कर रही थी, जो दुनिया का सबसे बड़ा डेटा-सेंटर बनने वाला था। ओपनएआई की योजना पूरी सुविधा को लीज पर लेने और उसमें लगभग 300 अरब डॉलर की कीमत वाली एनवीडिया चिप्स लगाने की थी। उम्मीद थी कि एनवीडिया, ओपनएआई को लोन देने के लिए बैंकों को भरोसा दिलाने के वास्ते एक फाइनेंशियल गारंटी देगी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अनुशासन सिखाने वाले सैनिक थॉमस इग्लेसियस को दिया पदक



नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वेटरन्स डे समारोह के बाद अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान स्थित अज्ञात सैनिक की कब्र' (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) में उन्हें और उनके कर्मचारियों को फटकार लगाने वाले सैनिक को शीर्ष सैन्य सम्मान से सम्मानित किया है। हेगसेथ ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह एक सैनिक को पदक पहनाते और उससे हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हम सैनिकों से प्यार करते हैं। हम अनुशासन के मानकों का सम्मान करते हैं। बहुत अच्छा किया, स्पेशलिस्ट। पेंटागन के अनुसार, हेगसेथ ने उस सैन्य इकाई को पेंटागन आमंत्रित किया जो अज्ञात सैनिक के स्मारक की सुरक्षा करती है। उन्होंने सैनिक थॉमस इग्लेसियस को 11 नवंबर 2026 को स्मारक स्थल पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल प्रदान किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी वाले समारोह के बाद जब हेगसेथ और उनके कर्मचारियों ने वहां तस्वीरें खिंचवाईं, तो जोर से हंसने की आवाज सुनाई देने पर इग्लेसियस ने उन्हें फटकार लगाई थी। वीडियो में बुधवार को हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार टैमी राडाबॉघ के साथ स्मारक के सामने खाली सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिखाई दिए। अज्ञात सैनिक का स्मारक अमेरिका के सबसे गंभीर और सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक माना जाता है। यह प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में शहीद हुए उन सैनिकों का अंतिम विश्राम स्थल है, जिनकी पहचान नहीं हो सकी थी। वर्ष 1948 से अमेरिकी सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट का एक सैनिक चौबीसों घंटे, हर मौसम में इसकी सुरक्षा करता है। इस रेजिमेंट को द ओल्ड गार्ड के नाम से भी जाना जाता है। ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल को सेना के उच्च सम्मानों में गिना जाता है और आमतौर पर यह कनिष्ठ सैनिकों को नहीं दिया जाता। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने फटकार का वीडियो सामने आने के बाद कहा था कि सैनिक ने सभी को उचित व्यवहार बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।

निपट गए नेतन्याहू, जाएंगे जेल! आइजनकोट ने पलट दी बाजी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। आइजनकोट ने लिक्विड के साथ बातचीत रोक दी। द जेरूशलम पोस्ट के मुताबिक आइजनकोट ने लिक्विड के साथ गठबंधन बातचीत को रद्द कर दिया है। आइजनकोट खेमा ने नेतन्याहू को हटाकर सत्ता परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। निगाहें दूसरे दलों के समर्थन पर भी है। अरब पार्टियों ने नेतन्याहू के भाषण पर सवाल उठाए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल का मुताबिक जॉइंट लिस्ट में नेतन्याहू के जो सांसद जो संसद में दिया गया भाषण है उसे नस्लवादी बताया गया है। नेतन्याहू ने अरब पार्टियों पर इजराइल के विनाश की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

आइजनकोट कोर्ट ने भी नेतन्याहू के भाषण को विभाजनकारी और शर्मनाक बताया है। बड़ा अपडेट तीन आइजनकोट के समर्थन में नोआम टिबोन यह उतर आए हैं। द जेरुशलम पोस्ट का यह कहना है उसकी रिपोर्ट है कि बियाद पार्टी के सांसद हैं नवाम टिबोन। वो आइजनकोट के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील करते नजर आए हैं। उन्होंने नेतन्याहू सरकार के न्यायिक सुधार से जुड़े कानूनों को वापस लेने की मांग भी की है। इजराइल की जो धार्मिक पार्टियां हैं, अब सत्ता गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अरब पार्टियों की तरह यह भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यूनाइटेड टोरा जुडाइज यूटीजे आइजनकोट के खेमे की तरफ जाने की बात कही जा रही है। अलजरिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस पार्टी के कुछ नेताओं के आइजनकोट खेमे में संपर्क में होने की बातचीत कही जा रही है। धार्मिक छात्रों की सैन्य सेवा पर विवाद खड़ा हो गया है। 11 नवंबर की जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा ऑर्थोडॉक्स सांसदों में दो नए विधेयक पेश किए गए हैं। एक प्रस्ताव के तहत येशिवा के छात्रों को 26 साल की उम्र तक सैन्य सेवा टालने की अनुमति देने की बात कही गई है। इलेक्शन से पहले आपने सुना होगा कि कुछ वहां पर जो पार्टियां जो रूढ़िवादी पार्टियां हैं जो जो गुट हैं उन्हें सेना में सेना में शामिल होने से छूट मिलती है। उसी से जुड़ा यह प्रस्ताव है। दूसरे प्रस्ताव में पात्र छात्रों के खिलाफ गिरफ्तारी और आपराधिक कारवाही एक साल तक रोकने के लिए प्रावधान है। राइटर्स के मुताबिक नेतन्याहू अभी कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हुए हैं। उनके लिकुड गठबंधन व्यवस्था के पास 120 में से 53 सीटें हैं। आइजनकोट के सहयोगी दलों के पास 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों के पास 19 सीटें हैं। आइजनकोट को राष्ट्रपति ने सरकार बनाने के लिए 28 दिन दिए हैं। और 14 दिन इसे और बढ़ाया जा सकता है। इजरायली संसद की कुल सीटें 120 हैं। नेतन्याहू गठबंधन के पास 53 हैं। गादी आइजनकोट के पास जो उनका मूल खेमा 48 पर वो अटका हुआ है। अरब पार्टियों के पास 19 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 61 पर है। यह वहां की संसदीय स्थिति जिसे नेसेट कहा जाता है। 26वें नेसेट को लेकर ये सारी जोड़, तोड़, गुणा, भाग, गणित सब कुछ चल रहा है। बीबीसी रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल में बन्यामिन ने नेतन्याहू की अगुवाई वाले गठबंधन के बहुमत तक नहीं पहुंचने के बाद नई सरकार के गठन को लेकर गतिरोध लगातार बना हुआ है। मंगलवार को इजराइल की संसद में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। लेकिन नई सरकार के गठन पर बातचीत अभी भी चल रही है।

पंजाब बिजली बिलः जुर्माने और ब्याज से छूट 24 लाख परिवारों को 518 करोड़ की राहत



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को राज्य में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक 'वन-टाइम सेटलमेंट' (OTS) योजना की घोषणा की। इसके तहत 31 मार्च 2026 तक के बकाया बिजली बिलों पर लगने वाले सभी जुमार्ने और ब्याज को माफ कर दिया गया है, जिससे 24 लाख से अधिक परिवारों को 518 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मान ने कहा कि इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को अब अपने बकाया बिजली बिलों की केवल मूल राशि (प्रिंसिपल अमाउंट) ही चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक के बकाया बिलों पर सभी जुमार्ने और ब्याज पूरी तरह से माफ कर दिए गए हैं। अब केवल मूल राशि का भुगतान करना होगा—जिसमें से 25 प्रतिशत राशि तुरंत दी जा सकती है, और बाकी 75 प्रतिशत राशि एक साल के भीतर दो आसान किश्तों में चुकाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से पूरे पंजाब में 24 लाख से अधिक परिवारों को सीधा फायदा मिलेगा और 518 करोड़ रुपये की आर्थिक राहत मिलेगी। मान ने आगे घोषणा की कि इस योजना के तहत उन बिजली कनेक्शनों को भी बहाल किया जाएगा, जिन्हें बकाया बिलों के कारण काट दिया गया था।

इस पहल को घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी राहत बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी राहत... आज हमने बकाया बिजली बिलों के लिए 'OTS (वन-टाइम सेटलमेंट) योजना' की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार जनता की अपनी सरकार है। इंकलाब जिंदाबाद!

इस बीच, भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर तीखा हमला करते हुए, पंजाब भारतीय जनता पार्टी (BJP) के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर गुंडों और ड्रग व रेत माफियाओं सहित विभिन्न माफियाओं को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाखड़ ने राज्य सरकार द्वारा बेअदबी की घटनाओं, आपराधिक मामलों और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संभालने के तरीके पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के मौजूदा हालात को लेकर 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से जवाब मांगेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान की टिप्पणियों का जवाब देते हुए जाखड़ ने कहा कि मैं एक बार रिटायर हो चुका था और चुनावी राजनीति से दूर हूँ। लेकिन पंजाब के मौजूदा हालात को देखते हुए, भले ही दूसरों की अंतरात्मा जागी हो या नहीं, मेरी अंतरात्मा अभी भी जागृत है और मैं पंजाब के साथ खड़ा हूँ।" यह पूछे जाने पर कि क्या वह आने वाला चुनाव लड़ेंगे, जाखड़ ने कहा, "सुनील जाखड़ चुनाव क्यों लड़ेंगे? मैं सक्रिय राजनीति से रिटायर हो चुका था। लेकिन पंजाब के हालात ऐसे हैं कि यहाँ गुंडों का बोलबाला है। इसलिए, मैं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से जवाब मांगूंगा, भले ही मुख्यमंत्री सिर्फ एक कठपुतली हों। चुनाव लड़ने या न लड़ने का फैसला पार्टी करेगी।

मवाना में जानलेवा हमले के दो आरोपी पकड़े गए, अवैध हथियार बरामद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मेरठ के मवाना क्षेत्र में एक व्यक्ति पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में पुलिस ने दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे और दो कारतूस बरामद किए हैं। मवाना थाना के एसएचओ देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि मवाना थाना क्षेत्र के किशनपुर बिराना गांव में आठ और नौ नवंबर की दरमियानी रात बाबूराम पर आरोपियों ने गोलीबारी की थी।

इस मामले में बाबूराम के बेटे विकास कुमार की तहरीर पर नौ नवंबर को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 351 और आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बृहस्पतिवार रात इस मामले में वांछित रोहित उर्फ बिरजू (34) और हर्ष उर्फ तन्नू (22) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों किशनपुर बिराना गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 315 बोर के दो अवैध तमंचे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

अमृतपाल सिंह को दादी के अंतिम संस्कार के लिए मिली 1 दिन की पैरोल, 3 साल बाद पंजाब वापसी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमृतसर की एक अदालत ने जेल में बंद सांसद और 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह को एक दिन की पैरोल दी है। उन्हें अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यह पैरोल मिली है। अमृतपाल सिंह तीन साल से भी ज्यादा समय बाद पंजाब लौटेंगे। 32 वर्षीय अमृतपाल सिंह इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं, जहाँ उन पर कड़ा 'राष्ट्रीय सुरक्षा कानून' (NSA) लागू है। NSA के अलावा, अमृतपाल सिंह पर 'गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' (UAPA) के तहत भी आरोप लगे हैं। पंजाब पुलिस ने एक महीने से ज्यादा समय तक पीछा करने के बाद, मोगा ज़िले के रोडे गाँव से सिंह को गिरफ़्तार किया। वह बार-बार अपनी गाड़ियाँ और अपना हुलिया बदलकर गिरफ़्तारी से बचता रहा।

सिंह को पकड़ने के लिए यह अभियान तब शुरू किया गया, जब 23 फरवरी 2023 को वह अपने समर्थकों के साथ अमृतसर के अजनाला में एक पुलिस थाने में घुस गया था।

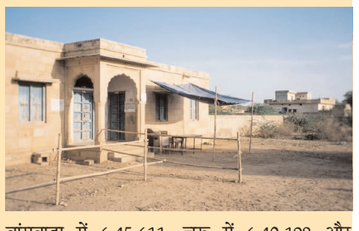
इस समूह के कई लोग तलवारें और हथियार लहराते हुए बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़े, ताकि वे अपने एक साथी को जेल से छुड़ा सकें। हिरासत में रहते हुए ही, सिंह ने 2024 का लोकसभा चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा और पंजाब की खडूर साहिब सीट जीत ली। इस बीच, अजनाला पुलिस थाने पर हमले के मामले में गिरफ़्तार किए गए उसके नौ साथियों को असम की जेल से वापस पंजाब ले आया गया है। उनकी गिरफ़्तारी उसी फरवरी 2023 की घटना से जुड़ी है, जिसके बाद सिंह और उसके संगठन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू हुई थी।

आईआईटीएफ 2024: भारत मंडपम में व्यापार मेले को लेकर दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली यातायात पुलिस ने भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) को लेकर शुक्रवार को यातायात परामर्श जारी कर कई प्रमुख सड़कों पर यातायात जाम की आशंका के मद्देनजर यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की सलाह दी। 'एक्स' पर जारी परामर्श के अनुसार, मेले के दौरान मथुरा रोड, भैरों मार्ग, रिंग रोड, शेरशाह रोड, पुराना किला रोड, भगवान दास रोड और तिलक मार्ग पर यातायात जाम रहने की आशंका है। कार्यक्रम में नहीं जाने वाले यात्रियों को इन सड़कों से बचने या वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। व्यावसायिक आगंतुकों को 14 से 18 नवंबर तक सुबह साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े सात बजे के बीच गेट संख्या 3, 4, 6 और 10 से प्रवेश की अनुमति होगी। टिकट ऑनलाइन और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर अन्य मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे। अपने निजी वाहनों से आने वाले आगंतुकों के लिए आईटीपीओ बेसमेंट में निर्धारित पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी, जहां भैरों मार्ग-रिंग रोड सुरंग के रास्ते पहुंचा जा सकेगा। इसके अलावा, भैरों मंदिर पार्किंग और भारत मंडपम बेसमेंट-2 में भी पार्किंग की सुविधा होगी। भारत मंडपम बेसमेंट-2 तक प्रगति सुरंग और मथुरा रोड अंडरपास-4 के जरिए पहुंचा जा सकेगा। पुलिस ने कहा कि आईटीपीओ परिसर के भीतर वाहनों की पार्किंग की अनुमति नहीं होगी। पैदल आने वाले आगंतुकों के प्रवेश के लिए गेट संख्या 1, 4, 6 और 10 निर्धारित किए गए हैं, जबकि बाहर निकलने के लिए गेट संख्या 1, 4, 7, 9 और 10 का उपयोग किया जाएगा। कैब और ऑटो-रिक्शा यात्रियों के लिए भैरों मार्ग के दोनों ओर 25 'पिक-अप प्वाइंट' बनाए गए हैं। पुलिस ने आगंतुकों को केवल इन निर्धारित स्थानों से ही वाहन लेने और यातायात पुलिसकर्मियों के निदेर्शों का पालन करने की सलाह दी है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव के चौथे चरण की वोटिंग आज, 25 जिलों में तैयारी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव के तहत जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान का चौथा और अंतिम चरण शनिवार को होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसमें 25 जिलों कुल 2,524 सीटों के लिए 8,843 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण में 382 जिला परिषद वार्डों और 2,142 पंचायत समिति वार्डों में मतदान होगा। जिला परिषद की सीटों के लिए 1,322 उम्मीदवार और पंचायत समिति की सीटों के लिए 7,521 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रमुख उम्मीदवारों में वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह और उनकी बहू शामिल हैं जो चुरू जिले से चुनाव लड़ रहे हैं। अंतिम चरण में श्रीगंगानगर जिले में सबसे अधिक जिला परिषद वार्डों में मतदान होगा। इस जिले में 30 वार्डों के लिए कुल 101 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इस जिले में पंचायत समिति के उम्मीदवारों की संख्या भी सबसे अधिक है, जहां 164 वार्डों के लिए 553 उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम चरण में 1.05 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डाल सकेंगे जिनमें 54,88,275 पुरुष, 51,05,951 महिलाएं शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने 25 जिलों में 11,905 मतदान केंद्र बनाए हैं। इस चरण में श्रीगंगानगर में सबसे अधिक 8,67,167 मतदाता हैं। इसके बाद बांसवाड़ा में 6,45,611, चुरू में 6,40,198 और डीडवाना-कुचामन में 6,03,262 मतदाता हैं। जयपुर में 13 जिला परिषद वार्डों और 82 पंचायत समिति वार्डों में मतदान होगा। यहां जिला परिषद की सीटों के लिए 32 और पंचायत समिति की सीटों के लिए 241 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिले में 4,07,280 पात्र मतदाता और 447 मतदान केंद्र हैं। इसी तरह चूरू में 19 जिला परिषद वार्डों के लिए 66 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि 114 पंचायत समिति वार्डों के लिए 351 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिले में 6,40,198 मतदाता और 689 मतदान केंद्र हैं। बांसवाड़ा में 22 जिला परिषद वार्डों के लिए 72 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

बूंदी में 22 वार्डों के लिए 50 उम्मीदवार हैं, जबकि जैसलमेर में 21 वार्डों के लिए 77 उम्मीदवार हैं।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-